माघ शुक्ल - 15 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 181 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 25-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अक्षर पटेल और कुलदीप यादव में से एक को चुनना मुश्किल : रोहित शर्मा
6 संवैधानिक मूल्यों पर ही टिका है देश का विकास
7 जल्द शुरू होगी स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म 'वॉर-2'

फर्स्ट टेक

ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षकारों को सौंपने का आदेश

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी की जिला अदालत ने बुधवार को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षकारों को सौंपे जाने का आदेश दिया। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जिला जज ए के विश्वेश ने अपने आदेश में कहा है कि ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षकारों को सौंपी जाए। मुस्लिम पक्ष ने इस दौरान जिला जज के समक्ष मांग रखी कि सर्वे की रिपोर्ट पक्षकारों तक ही रहे, उसे सार्वजनिक न किया जाए।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई मिसाइल दागीं

सियोल/एपी। दक्षिण कोरिया की सेना ने बुधवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने उसके पश्चिमी तट के समीप समुद्र में कई क्रूज मिसाइल दागी हैं। इस बीच, वाणिज्यिक सेटेलाइट तस्वीरों से यह भी पता चला है कि उत्तर कोरिया ने अपनी राजधानी प्योंगयांग में दक्षिण कोरिया के साथ सुलह का प्रतीक 'विशाल तोरण' गिरा दिया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पिछले हफ्ते इस स्मारक को 'आंख की कांटा' करार दिया था और उसे गिराने का आह्वान किया था। उन्होंने घोषणा की थी कि उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया के साथ शांतिपूर्ण एकीकरण के पुराने लक्ष्य का परित्याग कर रहा है।

पश्चिमी चीन में 7.1 तीव्रता का भूकंप, 12,000 से अधिक बेघर

उचतुरपन (चीन)/एपी। चीन के पश्चिमी क्षेत्र में सोमवार को आए भूकंप के कारण 12,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं और ठंड से बचने के लिए उन्होंने तंबुओं या अन्य आश्रय स्थलों पर शरण ली हुई है। बुधवार को भी भूकंप के बाद झटके (आफ्टरशॉक) जारी रहे। चीन के शिनजियांग क्षेत्र के एक दूरस्थ इलाके में सोमवार देर रात आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, पांच घायल हैं, और सैकड़ों इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

25-01-2024	26-01-2024
सूर्यास्त 6:17 बजे	सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
71,060.31	21,453.95
(+689.77)	(+215.15)

सोना	चांदी
6,481 रु.	72,830 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मौकापरस्त राजनीति

कब किसका कैसे लगे दाँव,
इस तिकड़म में शामिल समस्त।
ना वादों का कोई मतलब,
लालच में सारे किले ध्वस्त।
जय लोकतंत्र की बलिहारी,
जिसमें नेतागण सदा मस्त।
सत्तागामी है राजनीति,
जिसमें सारे मौकापरस्त।।

पिछले 10 वर्षों का परिवर्तन भारत के भविष्य की नींव तैयार करेगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में जो परिवर्तन हुआ है, वह भारत के भविष्य की नींव तैयार करेगा। उन्होंने जोर दिया कि देश अपनी परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखते हुए आगे बढ़ा है।

जयशंकर यहां दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के मिरांडा हाउस कॉलेज द्वारा 'भारत का भविष्य' विषय पर आयोजित एक संवाद सत्र को संबोधित कर रहे थे। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता और भारत में बड़े पैमाने पर कोविड-19 टीकों के निर्माण का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि देश ने पिछले दशक में विभिन्न क्षेत्रों में जबरदस्त प्रगति की है और वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थान हासिल किया है।

विदेश मंत्री ने डिजिटलीकरण, शिक्षा पर काम, लैंगिक अंतराल को कम करने, कौशल विकास, स्टार्ट-अप संस्कृति और नागरिकों के बीच कल्याणकारी योजनाओं की बढ़ती पहुंच जैसी विकास गतिविधियों का उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो परिवर्तन किया है, वह ऐसी नींव तैयार करेगा जिस पर अगले 25 वर्षों का भविष्य तय होगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक लोकतंत्र के रूप में भारत ने न केवल अपने मूल्यों को कायम रखने पर काम किया है, बल्कि समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ भी पहुंचाया है। जयशंकर ने कहा कि जिस बुनियाद पर भारत का भविष्य बनाया जा रहा है वह लोकतंत्र, प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परंपरा है।

विदेश मंत्री ने कहा कि पिछले दशक में किया गया काम दर्शाता है कि भारत ने एक लोकतंत्र के रूप में कितना कुछ किया है। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र जैसा मिला, इसे उस रूप में न लें। हमें इसका पालन-पोषण करना होगा और इसका निर्माण करना होगा। दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र नहीं है।''

झांकी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इस वर्ष की झांकी 'पृथ्वी, वायु, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष जैसे पांचों आयामों में रक्षा कवच प्रदान करके राष्ट्र की सुरक्षा करने में महिला शक्ति' विषय पर आधारित है। इस झांकी में रक्षा अनुसंधान एवं विकास में महिलाओं की भागीदारी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। नई दिल्ली में बुधवार को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान डीआरडीओ की झांकी की एक झलक।

'इंडि' गठबंधन को दोहरा झटका :

बंगाल में ममता, पंजाब में मान, नहीं करेंगे कांग्रेस से गठजोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/चंडीगढ़/भाषा। विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडि) गठबंधन को दोहरा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने बुधवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों में उनके राज्यों में उनके दलों का कांग्रेस से कोई गठबंधन नहीं होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच सीटों के बंटवारे पर चल रहे टकराव के बीच आज अचानक घोषणा की कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में अकेले लोकसभा चुनाव में उतरेगी। इसी तरह की घोषणा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने की है।

बनर्जी के बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने से एक दिन पहले आये हैं। ममता बनर्जी ने हावड़ा जिले में दुमुरजला हैलीपैड पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मैंने उन्हें (कांग्रेस को) सीटों के बंटवारे पर एक प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने शुरू में ही इसे नकार दिया। हमारी पार्टी ने अब बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है।''

बनर्जी ने यह भी कहा कि पार्टी का राज्य में कांग्रेस से कोई रिश्ता नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने सीटों के बंटवारे पर चर्चा को लेकर मीडिया में आ रही खबरों का भी खंडन किया और कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस में किसी से भी बात नहीं की है। आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा से टकराने के लिए कुल 28 विपक्षी दलों ने 'इंडि' गठबंधन का गठन किया था।

लोकसभा चुनाव के बाद

राहुल गांधी को गिरफ्तार किया जाएगा : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा जिनके खिलाफ यहां हिंसा भड़काने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

असम पुलिस ने कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान मंगलवार को यहां हिंसा भड़काने के आरोप में राहुल गांधी और पार्टी के अन्य कई नेताओं के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की थी।

गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम सरकार ''चाहे जितने मामले दर्ज कर ले'' लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं।

ठाणे हिंसा : दुकानों में तोड़फोड़ की गई, जुलूस पर हमला, मामले में दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में तीन दिन पहले सांप्रदायिक संघर्ष से प्रभावित हुए नया नगर समेत विभिन्न इलाकों में अज्ञात लोगों ने कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में जिले में एक जुलूस पर कथित तौर पर हमला करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सप्ताहांत से मुंबई के पड़ोसी जिले ठाणे में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हमले की कुछ घटनाएं सामने आई हैं, साथ ही उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित भव्य मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निकाले गए जुलूसों को भी निशाना बनाया गया।

पहले, रविवार रात ठाणे जिले के मुस्लिम बहुल इलाके नया नगर में आयोजित एक रैली के दौरान दो समुदायों के सदस्यों के बीच संघर्ष हुआ था, जिसके बाद 13 लोगों को हिरासत में लिया।

इसके बाद मंगलवार को स्थानीय निकाय ने नया नगर इलाके में सड़क के किनारे बनी ''अवैध'' दुकानों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया।

कोयम्बटूर कार विस्फोट-2002 मामले में दो के खिलाफ नया आरोप पत्र दायर

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2022 के कोयम्बटूर बम विस्फोट मामले में बुधवार को एक ताजा आरोप-पत्र दायर किया तथा दो और लोगों को आरोपी बनाया। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि पूरक आरोपपत्र में कोयम्बटूर निवासी मोहम्मद अजरुद्दीन उर्फ अजर और मोहम्मद इदरीस को आरोपी बनाया गया है तथा उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता, गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

यूक्रेन सीमा पर रूसी सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त, चालक दल सहित 74 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/मॉस्को/एजेन्सी। रूस के सैन्य परिवहन विमान इल्यूशिन-76 के यूक्रेन की सीमा से सटे दक्षिणी बेलगोरोद क्षेत्र में बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से चालक दल के छह सदस्यों सहित 74 लोगों की मौत हो गयी।

रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार एक रूसी सैन्य परिवहन विमान बेलगोरोद के सीमावर्ती क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया , जिसमें 65 यूक्रेन के युद्ध बंदी सवार थे।

गार्जियन के पजोट्र सॉयर ने मॉस्को से कहा कि 65 यूक्रेन के युद्धबंदियों को ले जा रहा रूसी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मंत्रालय ने कहा कि विमान में 65 यूक्रेन के युद्ध बंदी सवार थे, जिनकी अदला-बदली की जानी थी। मंत्रालय ने कहा कि इल्युशिन आईएल-76 परिवहन विमान पर चालक दल के छह सदस्य और तीन अन्य लोग भी सवार थे।

बेलगोरोद के क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि जहाज पर सवार सभी 74 लोगों की मौत हो गयी। यूक्रेन ने हालांकि इस दुर्घटना के बारे में कोई बयान नहीं दिया है।

यूक्रेन्स्काया प्रावदा अखबार ने सूत्रों का हवाला देते हुये पहले यह कहा था कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने विमान को मार गिराया, लेकिन बाद में उसने रिपोर्ट वापस ले ली।

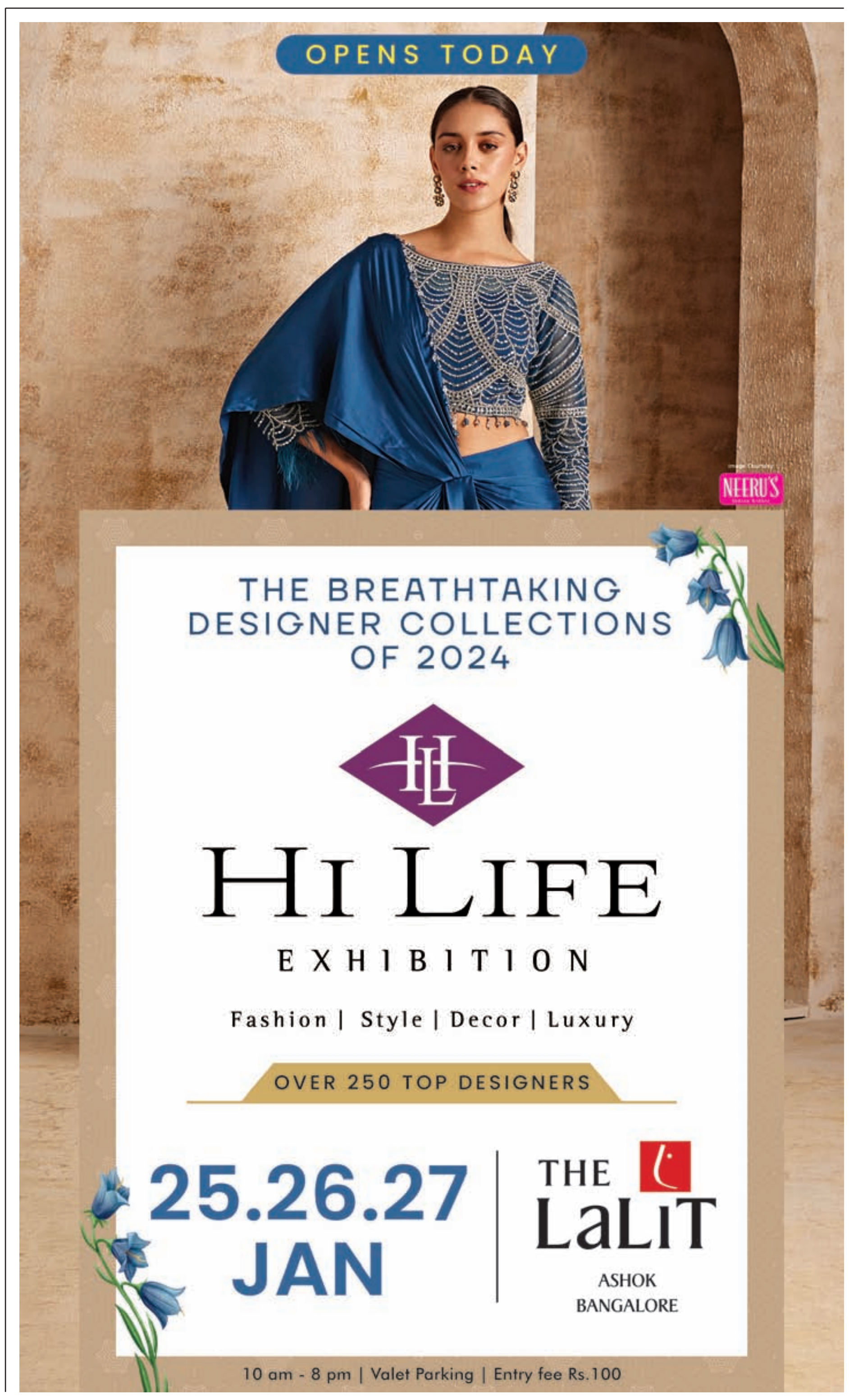

अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती हैं सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक फरवरी को पेश होने वाली अंतरिम बजट में कृषि क्षेत्र की योजनाओं के लिए आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकती है और ऋण पर जोर दे सकती है। वित्त वर्ष 2023-24 में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर एक साल पहले के चार प्रतिशत से घटकर 1.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश करने वाली हैं, जो वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का आखिरी प्रमुख आर्थिक दस्तावेज होगा।

वर्ष 2019 के आम चुनाव से पहले पेश अंतरिम बजट में सरकार ने पीएम-किसान सम्मान निधि की घोषणा की थी, जिसके तहत छोटे किसानों को सालाना 6,000 रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। चुनावी साल में ऐसी उम्मीदें हैं कि आगामी बजट में सहायता की मात्रा बढ़ सकती है। साथ ही, सरकार अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 22-25 लाख करोड़ रुपए करने की घोषणा कर सकती है। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार का कृषि-ऋण लक्ष्य 20 लाख करोड़ रुपए है। चालू वित्त वर्ष में दिसंबर, 2023 तक 20 लाख करोड़ रुपए के कृषि-ऋण लक्ष्य का लगभग 82 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है।

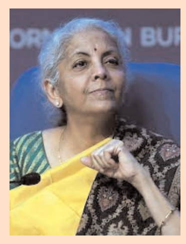

भारतीय उद्योग परिसंघ के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अंतरिम बजट में समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों को प्रमुख प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कृषि में बर्बादी या नुकसान को कम करने के लिए भंडारण को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीदों का कवरेज बढ़ाया जाना चाहिए। उद्योग चैंबर ने किसानों को सीधे नकद हस्तांतरण के रूप में उर्वरक सब्सिडी देने की दिशा में आगे बढ़ने का भी मुद्दा उठाया है।

'द ऑर्गेनिक वर्ल्ड' के संस्थापक और प्रबंध निदेशक गौरव मनचंदा ने कहा कि भारत को संचालन को अनुकूलित करने और उभरते बाजार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए बजटीय समर्थन और मजबूत किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, उच्च कृषि बीमा परिव्यय, ग्रामीण रोजगार योजनाओं में अधिक निवेश, बेहतर सिंचाई सुविधाएं और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढांचे से बड़ा अंतर आ सकता है। वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में, सीतारमण ने कृषि शिक्षा और अनुसंधान सहित कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय को 1.25 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। वित्त वर्ष 2013-14 में यह आवंटन 27,662.67 करोड़ था। धानुका एग्रीटेक के प्रबंध निदेशक एम के धानुका को उम्मीद है कि आगामी अंतरिम बजट में सरकार कृषि को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल को जारी रखेगी।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के झटके से साल भर में काफी हद तक उबरा अडाणी समूह

नई दिल्ली/भाषा। हिंडनबर्ग रिसर्च की साल भर पहले आई प्रतिकूल रिपोर्ट में लगाए गए कई आरोपों से अडाणी समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में तगड़ी गिरावट आ गई थी लेकिन समय बीतने के साथ अडाणी समूह काफी हद तक इस नुकसान की भरपाई करने में सफल रहा है। अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग एवं शोध फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी, 2023 को जारी एक रिपोर्ट में अडाणी समूह की कंपनियों पर शेयरों के भाव में हेराफेरी और वित्तीय गड़बड़ियां करने के आरोप लगाए थे। हालांकि, समूह ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया था। लेकिन हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों की वजह से समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली होने लगी थी।

निवेशकों का भरोसा कम होने से समूह के सम्मिलित बाजार मूल्यांकन में एक समय लगभग 150 अरब डॉलर तक की गिरावट आ गई थी। इस दौरान अडाणी समूह के मुखिया गौतम अडाणी की दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में स्थान भी काफी नीचे चला गया था। वह रिपोर्ट आने से पहले अडाणी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति थे। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के आधार पर नियामकीय जांच का दौर भी शुरू हो गया था। ऐसे प्रतिकूल माहौल में भी अडाणी अपने समूह को पटरी पर लाने में एक हद तक सफल रहे हैं। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से कुछ अपने घाटे की भरपाई करने में सफल रही हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अडाणी समूह का इस समय कुल बाजार पूंजीकरण करीब 14.52 लाख करोड़ रुपए है। हालांकि, यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पहले के 19.23 लाख करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड से अब भी करीब 24 प्रतिशत कम है।

मंत्रिमंडल ने कोयला गैसीकरण के लिए 8,500 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए 8,500 करोड़ रुपए की एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत में कोयला गैसीकरण की तकनीक अपनाने से प्राकृतिक गैस, मेथनॉल, अमोनिया एवं अन्य जरूरी उत्पादों के लिए आयात पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल ने कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए 8,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। सरकार वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले का गैसीकरण करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। गैसीकरण की प्रक्रिया में कोयले को नियंत्रित परिस्थितियों में हवा, ऑक्सीजन, भाप या कार्बन डाइऑक्साइड द्वारा आंशिक रूप से ऑक्सीकृत किया जाता है। इससे एक तरल ईंधन पैदा होता है जिसे 'सिनगैस' कहा जाता है। सिनगैस यानी संश्लेषित गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन और मेथनॉल बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

स्वीडन विमानन क्षेत्र में टिकाऊ समाधान पर भारत के साथ सहयोग का इच्छुक

नई दिल्ली/भाषा। भारत के साथ मजबूत संबंधों को लेकर उत्सुक स्वीडन ने विमानन क्षेत्र में टिकाऊ समाधानों के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में भी सहयोग की इच्छा जताई है। इसके साथ ही स्वीडन के बुनियादी ढांचा एवं आवास मंत्री के सचिव जोहान डेविडसन ने भारत के साथ सीधी उड़ान सेवाओं की बहाली की भी उम्मीद जताई है। डेविडसन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि भारत स्वीडन के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है क्योंकि यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला विमानन बाजार भी है।

भारत में हवाई अड्डों और विमानन क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक निवेश से प्रभावित डेविडसन ने कहा, भारत की वृद्धि और स्वीडिश कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसरों को लेकर हमारी दिलचस्पी है। टिकाऊ विमानन में अग्रणी स्थान रखने वाले स्वीडन की 80 से भी अधिक कंपनियां इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके पास मूल्य श्रृंखला में विशेषज्ञता और वैश्विक स्तर पर समाधान लागू करने का अनुभव भी है।

पिछले सप्ताह भारत की संक्षिप्त यात्रा पर आए डेविडसन ने कहा कि स्वीडन विमानन और इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में स्थिरता के मोर्चे पर सहयोग करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा, हमारे पास कई अच्छी कंपनियां हैं जो भारतीय विमानन क्षेत्र में हरित बदलाव में योगदान दे सकती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all
Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) /
KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience
those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560
नाम परिवर्तन
I, Sunil Jallan, S/o Krishan Kumar Jallan, R/o, Apartment No. 753, Fifth Floor, Tower 7, Unit 3, Embassy Lake Terraces, Hebbal, Bengaluru 560024 India, have changed my name to **Sunil Jallan alias Jullian Jallan** for all purpose.

सरकार का इस्पात बनाने में 50 प्रतिशत कबाड़ के उपयोग का लक्ष्य: सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि सरकार का हरित इस्पात पहल को बढ़ावा देने के लिए 2047 तक स्टील बनाने की प्रक्रिया में कबाड़ की हिस्सेदारी बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है।

सिंधिया ने एक सम्मेलन में इस्पात विनिर्माण में कबाड़ का उपयोग बढ़ाने की बात कही। इसका कारण कबाड़ और अन्य अपशिष्ट उत्पादों के माध्यम से धातु के विनिर्माण से प्रदूषण कम फैलता है। उन्होंने इसे 'हरित इस्पात पहल की दिशा में' कदम बताया। उन्होंने कोलकाता में 11वें अंतरराष्ट्रीय सामग्री पुनर्चक्रण सम्मेलन मे कहा, हमारे मंत्रालय के दृष्टिकोण पत्र 2047 के अनुसार अगले 25 साल में कबाड़ का प्रतिशत 50 प्रतिशत होगा और शेष 50 प्रतिशत लौह अयस्क के रूप में होगा।

मंत्री ने वीडियो संदेश के जरिये अपने संबोधन में कहा कि कबाड़ का उपयोग न केवल प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को कम करता है बल्कि इस्पात विनिर्माण में कार्बन उत्सर्जन में 25 प्रतिशत की कटौती करता है।

सिंधिया ने कहा कि उत्सर्जन को कम करने और हरित इस्पात का उत्पादन करने के लिए भविष्य में अधिक कबाड़ की आवश्यकता होगी। इसके लिए पर्यावरण अनुकूल औपचारिक कबाड़ केंद्रों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज देश में लगभग 2.5 करोड़ टन कबाड़ का उत्पादन होता है और लगभग 50 लाख टन का आयात किया जाता है।

सिंधिया ने कहा, इसके अलावा, खनन और इस्पात विनिर्माण के दौरान उत्पन्न विभिन्न अपशिष्ट उप-उत्पादों का उपयोग सीमेंट बनाने, सड़क निर्माण और कृषि में भी प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) के अध्यक्ष संजय मेहता ने कहा कि वर्तमान में देश के कुल इस्पात उत्पादन में कबाड़ का योगदान लगभग 30 से 35 प्रतिशत है। मेहता ने कहा, अपनी विशाल आबादी और पर्यावरण को लेकर बढ़ती जागरूकता को देखते हुए, भारत में पुनर्चक्रण में वैश्विक अगुवा बनने की क्षमता है। देश में पुनर्चक्रण उद्योग में रोजगार पैदा करने, पर्यावरण पर कचरे के प्रभाव को कम करने और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने की क्षमता है।

लोस चुनाव में आप पंजाब में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी: सीएम मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी (आप) आगामी लोकसभा चुनाव में पंजाब में कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री ने यह दावा भी दोहराया कि आप सभी 13 सीट पर जीत दर्ज करेगी।

मान के इस बयान से पहले बुधवार को ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने भी ऐलान किया कि उनकी पार्टी संसदीय चुनाव में पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

आप 28 दलों के विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का हिस्सा है जिसमें कांग्रेस, टीएमसी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम मोर्चा समेत अन्य दल शामिल हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब आप और कांग्रेस के बीच आम चुनाव के लिए दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गोवा और गुजरात में सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, आप ने चंडीगढ़ महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है। कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए मान ने कहा कि उन्होंने कई बार कहा है कि 'पंजाब देश में नायक के रूप में उभरेगा और 2024 के लोकसभा चुनावों में आप सभी 13 सीट जीतेगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के साथ आप चुनावी गठबंधन नहीं करेगी। इस सवाल पर मान ने कहा, हम उनके (कांग्रेस) साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीट के लिए आप के संभावित उम्मीदवारों पर पहले ही चर्चा हो चुकी है और 40 संभावितों के नाम सामने आ चुके हैं। मान ने कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से कहा, हर लोकसभा क्षेत्र में तीन से चार संभावित उम्मीदवार हैं। सर्वेक्षण किया जाएगा और हमने चुनाव जीतने की क्षमता को किसी उम्मीदवार को मैदान में उतारने की कसौटी निर्धारित किया है।

अब तक मिले 54 लाख रिकॉर्ड से पता चलता है कि मराठा कुनबी जाति के है : जरांगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बुधवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में अब तक 54 लाख रिकॉर्ड मिले हैं जिनसे पता चला है कि मराठा समुदाय के सदस्य कुनबी (अन्य पिछड़ा वर्ग उपजाति) समुदाय के हैं। साथ ही उन्होंने तत्काल जाति प्रमाणपत्र जारी करने की मांग भी की।

जरांगे ने 20 जनवरी को हजारों समर्थकों के साथ जालना जिले से मुंबई के लिए मार्च निकाला था। उनकी मांग है कि राज्य सरकार की ओर से नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समूह के तहत मराठों को आरक्षण दिया जाए।

कई वाहनों के साथ यह मार्च बुधवार को मुंबई के लिए पुणे शहर से गुजरा। इसका समापन 26 जनवरी को मुंबई में ही होगा। पुणे पुलिस ने सड़क यातायात के मार्ग में बदलाव किया और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए।

सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठों को आरक्षण देने में राज्य सरकार के विफल रहने पर जरांगे ने 26 जनवरी से मुंबई में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, अब तक 54 लाख अभिलेख मिले हैं जो बताते हैं कि मराठा समुदाय के कई सदस्य कृषक कुनबी समुदाय के हैं। इन व्यक्तियों और उनके वंशजों को तुरंत कुनबी जाति का प्रमाणपत्र दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन के बारे में पूछे जाने पर जरांगे ने कहा कि सरकार के पास आरक्षण की मांग पर कदम उठाने के लिए सात माह का समय था।

एक मराठा नेता ने दावा किया कि जरांगे के लिए समर्थन बढ़ रहा है और जैसे-जैसे यह मोर्चा मुंबई के करीब पहुंच रहा है, इसमें भाग लेने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि मार्च बुधवार शाम को लोनावाला में रुकेगा। उन्होंने कहा ''हम बृहस्पतिवार को मुंबई की ओर बढ़ेंगे।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से खर्च कम किया जा सकता है : चावला

लेकिन राजनीतिक सहमति बनना आसान काम नहीं है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) नवीन चावला ने कहा है कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार से चुनाव खर्च को काफी हद तक कम किया जा सकता है, लेकिन उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यापक राजनीतिक परामर्श और संवैधानिक बदलावों की आवश्यकता होगी, जो आसान काम नहीं है। 'मनोरमा ईयरबुक 2024' के लिए एक लेख में, चावला ने कहा कि इस कदम का एक कारण चुनाव खर्च को कम करने के साथ-साथ निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू करने की आवृत्ति को कम करना है।

बुधवार को यहां मलयाला मनोरमा द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' (ओएनओई) के लिए व्यापक राजनीतिक परामर्श और बड़े संवैधानिक बदलावों की आवश्यकता होगी, जो आसान काम नहीं है। चावला भारत के 16वें सीईसी थे। उन्होंने बताया कि सितंबर, 2023 में आयोजित संसद के छह दिवसीय विशेष सत्र और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति के गठन के बाद एक बार फिर एक साथ चुनाव के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा वर्षों से लंबित है। उन्होंने कहा कि इसे भारत के निर्वाचन आयोग (ईसीआई), सांसदों, विधायकों और मतदाताओं के दृष्टिकोण से परखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दृष्टिकोण से, ओएनओई का कार्यान्वयन तकनीकी रूप से संभव है। उन्होंने कहा, मतदाताओं की संख्या वही रहेगी, लेकिन अधिक साजो-सामान की जरूरत होगी। कम से कम दो-तिहाई अधिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और 'वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) का निर्माण करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एक और महत्वपूर्ण मुद्दा मतदान कर्मचारियों की संख्या होगी, जो काफी बढ़ जाएगी और प्रक्रियाओं का सही ढंग से पालन सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देना होगा।

केरल में सबसे कम भ्रष्टाचार : मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को दावा किया कि पूरे देश में केरल में सबसे कम भ्रष्टाचार होता है। विजयन ने कहा कि उनकी सरकार इस विशेष उपलब्धि से संतुष्ट नहीं है और उनका प्रयास राज्य से भ्रष्टाचार को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य राज्यों के विपरीत, केरल में सरकारी विभागों या संस्थाओं द्वारा किसी भी कार्य या परियोजना को पूरा करने के लिए किसी से कोई 'कमीशन' नहीं मांगा जाता है।

मुख्यमंत्री ने यहां राजस्व भवन के शिलान्यास कार्यक्रम में कहा, यही कारण है कि हम अपना सिर ऊंचा रखने में समर्थ हैं। यही कारण है कि हमें भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किसी के सामने झुकने की जरूरत नहीं है। यही इस कैबिनेट की और हमारी (वाम मोर्चा की) विशेषता है। उन्होंने कहा कि लालच और पैसे के पीछे भागना ही मन की शांति छिनने का एक बड़ा कारण है। मुख्यमंत्री ने कहा, कोई भी व्यक्ति आपके मन की शांति को छीन नहीं सकता या बाधित नहीं कर सकता। यह तब बाधित होती है आपको गलत काम करने का एहसास होता है।

ममता बनर्जी शेरनी की तरह लड़ रही हैं: आदित्य ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 'शेरनी' की तरह लड़ रही हैं और उनकी लड़ाई राज्य के लिए महत्वपूर्ण है।

ममता ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को झटका देते हुए आज घोषणा की कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में अकेले लड़ेगी। ठाकरे से जब इस संदर्भ में प्रतिक्रिया व्यक्त करने को कहा गया तो उन्होंने कहा, वह शेरनी की तरह लड़ रही हैं और उनकी लड़ाई पश्चिम बंगाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें ममता के फैसले के बारे में जानकारी नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) 'इंडिया' में घटक दल है।

बलात्कार पीड़िता की पहचान का मामला

राहुल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने संबंधी याचिका का निपटारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को उस याचिका का निपटारा कर दिया, जिसमें एक कथित बलात्कार पीड़िता की पहचान उजागर करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। अदालत ने राहुल गांधी, पुलिस और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की दलीलों पर गौर करने के बाद इस याचिका का निपटारा कर दिया।

किसी बलात्कार पीड़िता की पहचान उजागर करना भारतीय दंड संहिता की धारा 228ए के तहत अपराध है और इस अपराध के लिए दो साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है।

दिल्ली पुलिस ने उच्च न्यायालय में कहा कि 2021 में कथित बलात्कार पीड़िता की पहचान उजागर करने वाले ट्वीट को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी और इस संबंध में जांच अभी जारी है।

राहुल गांधी के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ को बताया कि उन्होंने उस ट्वीट को हटा लिया है, जिसमें उस नाबालिग दलित लड़की की पहचान का खुलासा होता था, जिसकी कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पहले ट्वीटर) के वकील ने अदालत के समक्ष पुष्टि की कि राहुल गांधी ने ट्वीट खुद ही हटा लिया था।

अदालत सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश म्हाडलेकर की 2021 की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता की मांग थी कि 'एक्स' पर लड़की की उसके माता-पिता के साथ तस्वीर पोस्ट कर उसकी पहचान उजागर करने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए।

विभिन्न पक्षों की दलीलों पर गौर करने के बाद उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिका में किए गए अनुरोध से वह संतुष्ट है और उसने याचिका का निपटारा कर दिया।

पंजाब पुलिस ने हिंदू मंदिर प्रबंधन को धमकी देने पर पन्नू के खिलाफ मामला दर्ज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमृतसर/भाषा। पंजाब पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ धर्म और नस्ल के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच कटुता को बढ़ावा देने के आरोप में एक मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह प्राथमिकी 23 जनवरी को अमृतसर के सुल्तानविंड थाने में दर्ज की गई।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पन्नू को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है और सिख फॉर जस्टिस पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पन्नू ने सोशल मीडिया में पोस्ट किए गए एक वीडियो में कथित तौर पर दावा किया कि अमृतसर के श्री दुर्गियाना मंदिर का हिंदू धर्म में कोई ऐतिहासिक महत्व नहीं है।

खालिस्तान समर्थक नेता ने मंदिर प्रबंधन को अपने गेट बंद करने और उसकी चाबियां स्वर्ण मंदिर प्रशासन को सौंपने की भी कथित तौर पर चेतावनी दी।

पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर पोस्ट वीडियो के आधार पर पन्नू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पन्नू के खिलाफ आईटी कानून के साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (धर्म, नस्ल के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच कटुता को बढ़ावा देना), 153बी (विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषाई या क्षेत्रीय समूहों के बीच नफरत को बढ़ावा देने वाले बयान देना) और 505 (अफवाह फैलाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बुधवार को पेरियापटन में मुत्थिनामुलसोगे परियोजना का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

हम अपने कार्यकाल के दौरान ही मेकेदाटु परियोजना को पूरा करेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरियापटन। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि बहुप्रतीक्षित मेकेदाटु परियोजना कांग्रेस सरकार के वर्तमान कार्यकाल के दौरान पूरी हो जाएगी। पेरियापटना तालुक में मुत्थिनामुलसोगे परियोजना का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा, पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार मेकेदाटु परियोजना के बारे में गंभीर नहीं थी। हम इस परियोजना को अपनी सरकार के कार्यकाल के भीतर पूरा कर लेंगे, लेकिन क्या श्री गौड़ा, जो प्रधान मंत्री के करीबी हैं, हमें इस परियोजना के लिए केंद्र की मंजूरी दिलाएंगे?

उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा अनावश्यक रूप से हम पर आक्षेप लगा रहे हैं। हम मेकेदाटु परियोजना के लिए मंजूरी पाने के लिए कानूनी रूप से लड़ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही जल प्रबंधन न्यायाधिकरण को मेकेदाटु में बांध के निर्माण में बाधा न डालने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि कावेरी नदी हमारी माँ है और हम सभी उसके आशीर्वाद के कारण जीवित हैं। फिर भी, भाजपा के 26 सांसदों में से कोई भी इस परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्र पर दबाव नहीं डाल रहा है। ऐसा क्यों है कि मैसूरु के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा मेकेदाटु परियोजना के लिए मंजूरी प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री से संपर्क नहीं कर रहे हैं।

हमने पहले ही मंड्या, चामराजनगर, मैसूरु और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों के राजस्व अधिकारियों को उन लोगों को राजस्व भूमि सौंपने का निर्देश दिया है जो मेकेदाटु परियोजना के कारण अपनी जमीन खो देंगे। वन विभाग के अधिकारी वृक्षों की गणना की कवायद शुरू करेंगे। मेकेदाटु परियोजना लगभग 66 टीएमसी पानी संग्रहित करेगी। हरंगी, काबिनी, केआरएस और हेमवती जलाशयों में पर्याप्त पानी नहीं होने पर यह बांध तमिलनाडु को पानी छोड़ने के लिए एक संतुलन जलाशय है।

उन्होंने कहा, मुत्थिनामुलसोगे परियोजना का निर्माण 2018 में पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान शुरू किया गया था और आज इस परियोजना का उद्घाटन कांग्रेस सरकार ने ही किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध है। यह परियोजना पेरियापटना तालुक के 79 गांवों में 150 टैंकों को कावेरी जल उपलब्ध कराती है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एच सी महादेवप्पा, बोसराजू और वेंकटेश सहित हम सभी क्षेत्र की समृद्धि के लिए काम करेंगे। क्षेत्र के किसानों ने हमें इस क्षेत्र में शानदार जीत दिलाई है और हम इसके लिए आभारी हैं।

सिद्दरामैया ने कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देने के फैसले का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न' समाजवादी नेता दिवंगत कर्पूरी ठाकुर को देने के फैसले का बुधवार को स्वागत किया और कहा कि ठाकुर को बिहार का 'देवराज उर्स' माना जाता है। देवराज उर्स कर्नाटक के पहले मुख्यमंत्री थे और उन्हें कर्नाटक के अब तक के सबसे महान समाज सुधारकों में से एक माना जाता है।

सिद्दरामैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि कर्पूरी सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने कन्नड़ में किए एक पोस्ट में कहा, यह कहते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि भारत रत्न सम्मान सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर को दिया जाएगा। 70 के दशक में कर्नाटक के मॉडल पर बिहार में पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करने वाले कर्पूरी ठाकुर को बिहार का 'देवराज उर्स' कहा जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछड़ा सविता समुदाय से आने वाले कर्पूरी ठाकुर बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे जो उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है। वह भारत रत्न सम्मान के असली हकदार हैं। उन्हें मेरा सादर प्रणाम।'' नाई समाज से संबंध रखने वाले ठाकुर का जन्म 24 जनवरी, 1924 को हुआ था। उन्हें बिहार की राजनीति में 1970 में पूरी तरह शराब पाबंदी लागू करने का श्रेय दिया जाता है। समस्तीपुर जिले में जिस गांव में उनका जन्म हुआ था, उसका नामकरण कर्पूरी ग्राम किया गया। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को घोषणा कि ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न दिया जाएगा। 'जननायक' के रूप में मशहूर ठाकुर दिसंबर 1970 से जून 1971 तक और दिसंबर 1977 से अप्रैल 1979 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनका 17 फरवरी, 1988 को निधन हो गया था।

लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से आएंगे आश्चर्यजनक परिणाम : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने बुधवार को दावा किया 2024 के लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से भाजपा के पक्ष में आश्चर्यजनक परिणाम सामने आयेंगे। बोम्मई ने दावा किया कि देश में 'मोदी लहर' है क्योंकि पूरा देश नरेन्द्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री के रूप में देखने के लिए उत्सुक है।

बुधवार को मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में सेवानिवृत्त केएएस अधिकारी आर. रुद्रैया के पार्टी में शामिल होने के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में दक्षिण भारत से चौंकाने वाले नतीजे सामने आएंगे। भाजपा कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से सबसे ज्यादा सीट जीतेगी। बोम्मई ने दावा किया, कश्मीर से कन्याकुमारी तक भाजपा समर्थन और मोदी समर्थन की लहर है। इस बार आगामी संसदीय चुनाव में दक्षिण भारत से अप्रत्याशित नतीजे आने की उम्मीद है। कर्नाटक में भाजपा 25 से ज्यादा सीट जीतेगी।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति(एसी)- अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय का कांग्रेस से मोहभंग हो गया है। हालांकि कई जातियों को एससी-एसटी श्रेणियों में शामिल किया गया, लेकिन आरक्षण प्रतिशत नहीं बढ़ाया गया है। भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा कांग्रेस सरकार ने गारंटी और योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 'स्पेशल कंपोनेंट प्लान' (एससीपी)- 'ट्राइबल सब प्लान' (टीएसपी) के 11,000 करोड़ रुपये खर्च करके दलितों के साथ अन्याय किया है।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि लोगों को बीजेपी की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी देनी चाहिए तभी हम जीत सकते हैं।

कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर को हराया और उनके शव को दिल्ली में जगह न देने की जानकारी लोगों को देनी चाहिए। जिन लोगों ने अंबेडकर का अपमान किया, उन्हें बताया जाना चाहिए कि भाजपा ने पंचक्षेत्र बनाकर उनका सम्मान किया है।' कांग्रेस एक परिवार आधारित पार्टी है वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है।

इस मौके पर सांसद एस. डॉ. मुनिस्वामी, रायचूर जिला अध्यक्ष शिवराज पाटिल, एस.सी. मोर्चा के प्रदेश महासचिव महेंद्र कौथल सहित अन्य नेता मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य चलुवादी नारायणस्वामी ने परिचयात्मक भाषण दिया। कलबुर्गी ग्रामीण जिला अध्यक्ष शिवराज पाटिल ने स्वागत किया।

सातवीं कक्षा की छात्रा ने 29वीं मंजिल से कूदकर जान दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पूर्व बेंगलूरु के हुलीमावू इलाके में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक लड़की ने कथित रूप से 29वीं मंजिल पर स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि 12 वर्षीय लड़की अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी और अवसाद में थी। पुलिस ने इससे अधिक कुछ नहीं बताया। इस घटना के बाद कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस के मुताबिक बेगुर रोड स्थित अपार्टमेंट के एक सुरक्षाकर्मी ने मंगलवार सुबह करीब पांच बजे कुछ शोर सुना और जब वह मौके पर पहुंचा तो उसने लड़की को खून से लथपथ हालत में पड़े देखा। उसने तुरंत अपार्टमेंट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी।

पुलिस के एक आला अधिकारी ने बताया कि लड़की को पास के अस्पताल में पहुंचाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि लड़की की मां ने उसे सुबह करीब 4.30 बजे उसके कमरे के बाहर देखा था और जब उन्होंने उससे इतनी जल्दी जागने की वजह पूछी तो उसने अजीब सा जवाब दिया और कमरे के अंदर चली गई।

अधिकारी ने कहा, ''यह आत्महत्या का मामला है। हमें कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन हमें पता चला है कि लड़की अवसादग्रस्त थी। पोस्टमॉर्टम कराया गया है और हम इससे ज्यादा जानकारी नहीं दे सकते।'' पुलिस ने बताया कि लड़की के पिता सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और उन्होंने छह महीने पहले नौकरी छोड़कर शेयर से संबंधित काम करना शुरू किया था।

केनरा बैंक का दिसंबर तिमाही का मुनाफा 29 प्रतिशत उछलकर 3,656 करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में 29 प्रतिशत उछलकर 3,656 करोड़ रुपये रहा। केनरा बैंक के महाप्रबंधक सत्यनारायण राजू ने बुधवार को यह जानकारी दी। बैंक का बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 2,832 करोड़ रुपये रहा था।

केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आलोच्य तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 32,334 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 26,218 करोड़ रुपये थी। बैंक की शुद्ध ब्याज आय दिसंबर, 2023 तिमाही में 9.5 प्रतिशत बढ़कर 9,417 करोड़ रुपये हो गई।

संपत्ति की गुणवत्ता के बारे में बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सत्यनारायण राजू ने कहा कि उसकी सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) दिसंबर, 2023 के अंत तक घटकर सकल ऋण का 4.39 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 5.89 प्रतिशत थी। इसी तरह, शुद्ध एनपीए या खराब ऋण समीक्षाधीन तिमाही में घटकर 1.32 प्रतिशत पर आ गया, जो दिसंबर, 2022 के अंत में 1.96 प्रतिशत था।

खुदरा ऋण में 12.14 प्रतिशत की वृद्धि और आवास ऋण में 12.07 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सकल एनपीए अनुपात 150 बीपीएस की गिरावट के साथ 4.39 प्रतिशत रहा। शुद्ध एनपीए अनुपात 64 बीपीएस की गिरावट के साथ 1.32 प्रतिशत रहा।

दिसंबर 2023 तक वैश्विक कारोबार 9.87 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 22,13,360 करोड़ रुपए हो गया, जिसमें वैश्विक जमा 12,62,930 करोड़ रुपए और वैश्विक अग्रिम (सकल) 9,50,430 करोड़ रुपए था। दिसंबर 2023 तक बैंक की घरेलू जमा राशि 8.07 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि के साथ 11,66,848 करोड़ रुपए थी। हाउसिंग लोन पोर्टफोलियो 12.07 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 91,800 करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल की आखिरी तारीख तक बैंक की 9,585 शाखाएं हैं, जिनमें से 3,095 ग्रामीण, 2,742 अर्ध शहरी, 1,906 शहरी और 1,842 मेट्रो शाखाओं के साथ-साथ 10,463 एटीएम हैं। बैंक की लंदन, न्यूयॉर्क और दुबई में 3 शाखाएं हैं।

पुजारी हीरेमगलुर कन्नन को जारी नोटिस वापस लिया जाएगा : मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि वह एक तहसीलदार द्वारा पुजारी और कन्नड़ लेखक हीरेमगलुर कन्नन को अतिरिक्त मानदेय लौटाने के लिए जारी किया गया नोटिस वापस लेने का संबंधित अधिकारियों को निर्देश देंगे। चिकमंगलूरु जिले के हीरेमगलुरु में कोडंडा रामास्वामी मंदिर के पुजारी को 2013 से 2022 के बीच उनके खाते में भेजी गयी 4.74 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि वापस करने का नोटिस जारी किया गया जिसके लेकर एक विवाद खड़ा हो गया। भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की और नोटिस को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की। सिद्दरामैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हीरेमगलुर कन्नन को 'तस्दीक' (मानदेय) राशि वापस करने के लिए नोटिस जारी करना तहसीलदार की गलती है न कि कन्नन की गलती है। मैं नोटिस वापस लेने के लिए संबंधित अधिकारियों से बात करूंगा।

मुख्यमंत्री 8 फरवरी को करेंगे जनस्पंदन कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । मुख्यमंत्री सिद्दरामैया 8 फरवरी को विधानसौधा के समक्ष राज्य स्तरीय सार्वजनिक परामर्श कार्यक्रम आयोजित करेंगे। जहां वह जनता की शिकायतें सुनेंगे और उनके समाधान करेंगे। इस संबंध में मुख्यमंत्री के उपमुख्य सचिव एलके अतीक ने आज बैठक की तैयारी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनस्पंदन कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से करना है। मुख्यमंत्री द्वारा चलाये जा रहे यह दूसरा जन जागरूकता कार्यक्रम है। जिसमें सभी विभागों के सचिव एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कोई कमी न रहे इसके लिए सभी अधिकारियों को विशेष रुचि लेकर कार्य करें।

गणतंत्र दिवस परेड की सुरक्षा में तैनात होंगे 1,000 कर्मी : पुलिस आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी के मानेक शा परेड ग्राउन्ड में और उसके आसपास के इलाकों में करीब 1000 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा जहां से 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन होगा। राज्यपाल थावरचन्द गहलोत परेड़ की सलामी लेंगे। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बुधवार को फुल ड्रेस रिहर्सल के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से 1 हजार से अधिक पुलिसकर्मी सुरक्षा के लिए तैनात किए जाएंगे। कोई भी अप्रिय घटना न हो इसको ध्यान में रखते हुए गत 15 दिनों से परेड़ ग्राउन्ड और होटल और लॉज में ठहरे हुए लोगों पर निगरानी की जा रही है। गणतंत्र दिवस के मौके पर सुरक्षा के लिए 9 डीसीपी, तीन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, 14 एसीपी और 45 इंस्पेक्टर, 109 सब इंस्पेक्टर, 77 महिला सब इंस्पेक्टर, 184 पुलिस सामान्य कपड़ों में सुरक्षा कर्मियों सहित अनेक जवान उपस्थित रहेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल फोन, हेलमेट, कैमरा, रेडियो और छाता ले जाने पर प्रतिबंध लगाया है।

आमंत्रण

बेंगलूरु में बुधवार को मुख्य सचिव रजनीश गोयल, बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त आईएएस तुषार गिरिनाथ, और जिला कलेक्टर आईएएस दयानंद ने राजभवन में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और उन्हें गणतंत्र दिवस समारोह के लिए निमंत्रण पत्र दिया।

राजभवन में मणिपुर, मेघालय-त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । बुधवार को राजभवन में मणिपुर, मेघालय-त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मणिपुर, मेघालय-त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले रंगारंग और आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

इस दिन मणिपुर, मेघालय-त्रिपुर और उत्तर प्रदेश राज्यों की कला, संस्कृति और परंपराओं को दर्शाने वाले विभिन्न रंगारंग और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कार्यक्रम को संबोधित किया। शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों को बधाई दी।

राज्यपाल गहलोत ने कहा कि हमारा देश विविधता से समृद्ध है। भारत के विभिन्न राज्यों में मनाये जाने वाले त्यौहारों एवं उत्सवों की संकल्पना एवं उद्देश्यों में समानता एवं सौहार्द्र दृष्टिगोचर होता है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की सोच पर प्रत्येक राज्य का स्थापना दिवस अन्य राज्यों में भी मनाया जाता है, जो हमारे देश की विशिष्ट पहचान, विविधता में एकता की अवधारणा को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा, दूसरे राज्य का स्थापना दिवस मनाने से सामाजिक एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

भारत अपनी संस्कृति और विविधता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। हमारे देश के हर राज्य और हर शहर की एक अलग खासियत है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मणिपुर , मेघालय-त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश राज्य अपने पर्यटन स्थलों, भोजन , विशेष त्योहारों और कला और कई अन्य चीजों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि अपनी भौगोलिक स्थिति, जलवायु, प्राकृतिक दृश्यों और संसाधनों की प्रचुरता के कारण इन्हें देश में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। देश के विकास में सभी राज्यों का अहम योगदान है। देश के विकास के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। राज्यपाल ने हम सभी से 2047 तक विकसित भारत के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध होने और योगदान देने का आह्वान किया।

इसरो | isro
भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094184, 4196, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ई-टीएन-83/2023-24 दिनांक : 23.01.2024	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमएआईएनटी/सी/ई-टीएन-84/2023-24 दिनांक : 23.01.2024
कार्य का नाम	एससीसी परिसर, ईस्ट्रक, बेंगलूरु में आर्यभट्ट हॉल में फॉल्स सीलिंग और ध्वनिक दीवार पैनलिंग प्रदान करना (सिविल इंटीरियर कार्य)	एससीसी और एमओएक्स परिसर, ईस्ट्रक, बेंगलूरु में डीडी-जीएसएनए कार्यालय, क्यूबिकल्स, सीसीएफजी आवश्यकताओं के लिए भंडारण इकाइयों के लिए नवीनीकरण और भंडारण कार्य (सिविल इंटीरियर कार्य)
निविदा का अनुमानित मूल्य	₹ 24.86 लाख	₹ 24.00 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	दो (02) महीने	तीन (03) महीने
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	25.01.2024 को 14.30 बजे से 08.02.2024 को 16.30 बजे तक	25.01.2024 को 14.30 बजे से 08.02.2024 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	25.01.2024 को 15.30 बजे से 09.02.2024 को 16.30 बजे तक	25.01.2024 को 15.30 बजे से 09.02.2024 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	12.02.2024 को 16.30 बजे तक	12.02.2024 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	13.02.2024 को 14.30 बजे तक	13.02.2024 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	14.02.2024 को 11.30 बजे से	14.02.2024 को 11.30 बजे से
ईएमडी	₹ 49,720/-	₹ 48,000/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in/tender से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

प्रधानमंत्री मोदी एवं फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों आज जयपुर आएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों बृहस्पतिवार को जयपुर आएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस दौरे की तैयारियों को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिये हैं। र्मा ने मंगलवार रात उच्च स्तरीय बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के राजस्थान के प्रस्तावित दौरे पर व्यवस्थाएं चाक-चौबंद होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस विशेष अवसर पर की जा रही तैयारियों में राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का समावेश होना चाहिए। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस दौरान की जाने वाली साज-सज्जा एवं 'लाइटिंग' में प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों तथा क्षेत्रीय कलाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। शर्मा के मुताबिक वीरता एवं बलिदान के प्रतीक केसरी रंग का भी समायोजन इन तैयारियों में होना चाहिए।

शर्मा ने प्रधानमंत्री एवं फ्रांस के राष्ट्रपति के जयपुर दौरे के रूट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जयपुर हवाई अड्डे से लेकर जंतर-मंतर, हवामहल, आमेर किले में तैयारियों का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार फ्रांस के राष्ट्रपति का विमान बृहस्पतिवार को दोपहर ढाई बजे जयपुर हवाई अड्डे पर उतरेगा और उसी दिन रात आठ बजकर 50 मिनट पर वह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार फ्रांस के राष्ट्रपति का जयपुर में करीब छह घंटे रुकने का कार्यक्रम है। मैक्रों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ रोड शो में भी हिस्सा लेंगे। दोनों नेता भारत-फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर होटल ताज रामबाग पैलेस में व्यापक बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि जयपुर में राष्ट्रपति मैक्रों आमेर का किला, जंतर-मंतर और हवा महल जाएंगे, साथ ही रोड शो में भी शामिल होंगे। रोड शो शाम छह बजे जंतर-मंतर इलाके से शुरू होगा जबकि मोदी और मैक्रों के बीच वार्ता शाम सवा सात बजे शुरू होगी।

ओपीएस पर अपना रुख स्पष्ट करे राजस्थान सरकार : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से यह स्पष्ट करने की बुधवार को मांग की कि वह राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बरकरार रखेगी या नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू करेगी। जूली ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाया। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग ने 22 जनवरी को एक आदेश जारी कर कहा था कि नवनियुक्त सहायक कृषि अनुसंधान अधिकारियों (रसायन) को नई पेंशन योजना के तहत पेंशन दी जायेगी। कांग्रेस नेता ने कहा, बड़े दुख की बात है कि सदन की कार्यवाही जारी है और इस प्रकार के निर्णय ये सरकार बिना सदन में रखे हुए ले रही है। यह सरासर इस सदन का अपमान है। यह सदन के माननीय सदस्यों के विशेषाधिकारों का हनन है। इस प्रकार से कोई भी नई योजना आप लागू नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि राज्य में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने ओपीएस लागू की जिसे पूरे राज्य में समर्थन मिला था। उन्होंने कहा कि आज राज्य का कर्मचारी वर्ग जानना चाहता है कि इस सरकार की मंशा क्या है। जूली ने कहा कि राज्य कर्मचारियों में इस बात को लेकर आशंका है कि राज्य सरकार आगामी लोकसभा चुनाव के बाद एनपीएस लागू करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ओपीएस बरकरार रखेगी या एनपीएस लागू करेगी, इसे लेकर अपना रुख स्पष्ट करे। उल्लेखनीय है कि गहलोत सरकार ने राज्य कर्मचारियों के लिए ओपीएस बहाल की थी।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने उपमुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक अधिवक्ता द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दो उपमुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण को चुनौती दी गई थी। इस याचिका में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेम बैरवाल के शपथ को इस आधार पर अयोग्य ठहराने की मांग की गई थी कि उपमुख्यमंत्री का कोई संवैधानिक पद नहीं है और इसलिए उनकी नियुक्तियों को रद्द किया जाए। कार्यवाहक (नामित) मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा, जनहित याचिका में कोई ठोस सामग्री नहीं है और यह केवल अधिवक्ता द्वारा किया गया प्रचार स्टंट है। उन्होंने जनहित याचिका में कहा कि ऐसा कोई संवैधानिक पदनाम नहीं है और उनकी नियुक्ति रद्द की जानी चाहिए।

कानून की शिक्षा के भारतीयकरण के अधिकाधिक प्रयास हों : कलराज मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कानून की शिक्षा का अधिकाधिक भारतीयकरण किए जाने का आह्वान करते हुए बुधवार को कहा कि विधि विश्वविद्यालयों को कानून की शिक्षा देते वक्त विद्यार्थियों को संविधान में आस्था रखते हुए नागरिकों के समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए कार्य करने के वास्ते तैयार करें। राज्यपाल मिश्र यहां डॉ. भीमराव आंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने संसद में पारित तीन नये कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की भी चर्चा की तथा कहा कि ब्रिटिश काल से चले आ रहे कानूनों के स्थान पर इन कानूनों के आने से देश में विधिक क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन हुआ है।

मिश्र ने विधि शिक्षा प्रदान करने वाले शिक्षकों से आग्रह किया कि वे पाठ्यपुस्तकों के साथ जनकल्याण से जुड़े नवीनतम कानूनों से भी विद्यार्थियों को निरंतर अवगत करायें। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय जिनके नाम से स्थापित है, वह (आंबेडकर) न केवल संविधान निर्माता थे, बल्कि बहुत बड़े विधिवेत्ता रहे हैं तथा उनके जीवन के आलोक में संविधान-संस्कृति से जुड़ी शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य हो।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने कहा कि कानून के विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपनी शिक्षा का लाभ समाज के कमजोर, वंचित और न्याय के लिए संघर्षरत लोगों को प्रदान करने के लिए भी तत्पर रहें। उन्होंने विधि शिक्षा को युगानुकूल बनाए जाने के साथ ही विधिक साक्षरता के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए विश्वविद्यालय का आह्वान किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने प्राचीन न्याय एवं परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय संदर्भों में न्याय व्यवस्था को नये आयाम दिए हैं। उन्होंने डॉ. आंबेडकर प्रदत्त संविधान की आदर्श परंपराओं को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने विधि शिक्षा की व्यवहारिकता के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने अपने संबोधन से पहले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, वरीयता प्रमाण पत्र और उपाधियां प्रदान कीं।

स्वागत

जोधपुर में बुधवार को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के जोधपुर पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। शर्मा के जोधपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर यहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आमजन ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री ने बोरानाड़ा में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का अवलोकन किया और आमजन को संबोधित किया।

राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में हुआ प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को दावा किया कि अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन एक राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में हुआ और वहां मंच से दिये गये भाषण खतरनाक थे। उन्होंने यह भी सवाल किया कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह इस समारोह में क्यों नहीं गए ?

गहलोत ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह भी रहस्य है कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न तो भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा थे, न केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह थे न केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी थे। राजनाथ सिंह तो उत्तर प्रदेश के ही हैं। भाजपा के ही तमाम नेता वहां क्यों नहीं गए? उन्होंने कहा कि आयोजन के तरीके,

राजनीतिक कार्यक्रम, मंच से दिए गए भाषण के बाद साफ हो जाता है कि (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे या (पूर्व अध्यक्ष) सोनिया गांधी वहां क्यों नहीं गईं?

उन्होंने कहा, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम धार्मिक व सांस्कृतिक मूल्यों व विधियों से बहुत अच्छा कार्यक्रम हो सकता था। इसमें चारों शंकराचार्य भी आते तो प्रधानमंत्री की, सरकार की और देश की शोभा बढ़ती। लेकिन धर्माचार्यां व शंकराचार्यों की अनदेखी की गई जो अच्छी परंपरा नहीं है। गहलोत ने कहा कि इस अवसर पर मंच से दिए गए भाषण बहुत खतरनाक थे और बुद्धिजीवी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि ये भाषण देश को किस दिशा में ले जाएंगे।

उन्होंने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को कथित तौर पर बाधित करने के लिए असम में भाजपा सरकार पर भी हमला किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा ऐतिहासिक यात्रा है।

इसे बाधित करने का प्रयास किया गया है। असम के मुख्यमंत्री ने प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया जबकि किसी भी मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को सीधे पुलिस या अधिकारी को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कहने का अधिकार नहीं है।

यह काम सीआरपीसी के तहत थानाधिकारी द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, यह इस शानदार यात्रा को बाधित करने का षड्यंत्र है और मैं इसकी घोर निंदा करता हूं। ये कितनी भी कोशिश कर लें, राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता डरने वाले नहीं हैं।

फ्रांसिस ने बीएमवीएसएस में 'जयपुर फुट' की निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया

जयपुर। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने मंगलवार को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति का दौरा कर 'जयपुर फुट' की निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। फ्रांसिस ने देश के विभिन्न हिस्सों से आये लाभार्थियों से भी बात की और उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की संस्थान उच्च प्रौद्योगिकी और कम लागत वाले कृत्रिम अंग विकलांगों को मुफ्त प्रदान कर रही है। बीएमवीएसएस के एक बयान के अनुसार फ्रांसिस ने कहा, मैं जयपुर फुट का दौरा करके बहुत प्रभावित और उत्साहित हूं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज भी उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहीं। प्रतिनिधिमंडल का बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, कार्यकारी अध्यक्ष सतीश मेहता और भूपेन्द्र राज मेहता ने स्वागत किया।

विधानसभा में जल जीवन मिशन योजना में भ्रष्टाचार के मामले पर हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को केन्द्र की घर घर पानी पहुंचाने की जल जीवन मिशन योजना में भ्रष्टाचार के मामले पर जोरदार हंगामा हुआ और विपक्ष कांग्रेस के सदस्य सदन के वेल में आकर नारेबाजी की।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने प्रश्नकाल में विधायक डा जसवंत सिंह यादव के बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कार्य के जवाब में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जलजीवन मिशन योजना के तहत किए जा रहे कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार करने एवं जनता के पैसों को लूटने का आरोप लगाने पर कांग्रेस सदस्य गोविंद सिंह डोटासरा बोलने के लिए खड़े हुए लेकिन अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी। इस पर उनके साथ कांग्रेस के अन्य सदस्य भी खड़े हो गए और वे वेल में आकर राज्य सरकार के विरुद्ध नारेबाजी करने लगे। देवनानी ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से अपने जगहों पर जाने एवं प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने और उनका प्रश्नकाल के बचे शेष छह मिनट तक वे वेल में नारेबाजी के साथ हंगामा करते रहे और सदन की कार्यवाही चलती रही। बाद में बारह बजे प्रश्नकाल समाप्त होने पर वे अपनी जगहों पर आ गये।

इससे पहले चौधरी ने अपने जवाब में पूर्ववर्ती सरकार पर जमकर बरसे और कहा कि जल जीवन मिशन योजना में पिछली सरकार में जितना भ्रष्टाचार हुआ है, उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ। इस योजना के पैसे का दुरुपयोग किया गया। लूटा तो लूटा, इस योजना में राजस्थान देश में 33वें स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि जिन्होंने जनता के पैसे को लूटने का काम किया उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि अभी तो ईडी आई हैं, एसीबी और जरूरत पड़ने पर सीबीआई भी आयेगी और दोषियों को जेल में डाला जायेगा।

इस पर डोटासरा ने बोलने का प्रयास किया लेकिन अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। इस पर कांग्रेस के सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी कर हंगामा किया। इस दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि चोरों का बचाने का प्रयास किया जा रहा जबकि गरीबों को लूट लिया गया।

शिकायतों का समाधान पारदर्शिता से किया जाए : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन अभियोजन निराकरण विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सचिवालय के सभा कक्ष में विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय कार्यविधि पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जन अभियोजन में प्राप्त शिकायतों का समाधान त्वरित गति व पारदर्शिता से किया जाये। इसमें किसी प्रकार की पेंडेंसी नहीं होनी चाहिये। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल जनता की शिकायते प्राप्त करने का एक बहुत बडा जरिया है, जिसे ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से राज्य के सभी लोगो को उनकी किसी भी प्रकार की समस्या दर्ज करने का मौका सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। डॉ. मीणा ने विभाग को पुलिस थानो और जिलों की पेंडेंसियों को विस्तार से समझा।

जन अभियोजन निराकरण मंत्री ने राजस्थान सम्पर्क 181 (नागरिक सम्पर्क केन्द्र) का दौरा किया और वहां की कार्य प्रणाली को देखा। उन्होनें दौरे के दौरान 181 पर दौसा निवासी मनसुख राम का कॉल भी रिसिव किया व उनकी शिकायत सुनी। शासन सचिव गौरव गोयल ने पीपीटी के माध्यम से सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों, त्रि-स्तरीय जन-सुनवाई और 181 पर सत्यापन से लम्बित प्रकरणों की विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि राज्य के लोगो को अपनी किसी भी तरह की शिकायत लेकर अन्य दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि वे अपनी शिकायत सम्पर्क पोर्टल पर जाकर ऑनलाईन दर्ज करवा सकते है और जल्द ही उनकी शिकायतों का निवारण करके उन्हें सूचित कर दिया जाता है। शासन सचिव ने बताया कि त्रि-स्तरीय जन-सुनवाई में ग्राम पंचायत स्तर पर जन-सुनवाई माह के प्रथम गुरूवार को आयोजित की जाती है। इसमें ग्राम पंचायत के सरपंच, वार्ड पंच के साथ ही पंचायत स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहते है एवं इसकी मॉनिटरिंग उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारी द्वारा की जाती है।

राजस्थान की महान आतिथ्य परंपराओं के साथ हो मेहमानों का स्वागत : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के राजस्थान के प्रस्तावित दौरे पर व्यवस्थाएं चाक-चौबंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेहमानों के स्वागत में राजस्थान की महान आतिथ्य परम्पराएं नजर आनी चाहिए। इससे अतिथियों को राजस्थानी संस्कृति की दिव्य झलक देखने को मिलेगी तथा इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान से दोनों देशों के मध्य संबंध प्रगाढ़ होंगे।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के प्रस्तावित राजस्थान दौरे की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस विशेष अवसर पर की जा रही तैयारियों में राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का समावेश होना चाहिए।

इस दौरान की जाने वाली साज-सज्जा एवं लाइटिंग में प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों तथा क्षेत्रीय कलाओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया

जाना चाहिए। वीरता एवं बलिदान के प्रतीक केसरी रंग का भी समायोजन इन तैयारियों में होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे इस अवसर को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी एवं मैक्रॉन के स्वागत की सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों को अतिथियों के आवास, सुरक्षा, परिवहन, खानपान, पर्यटन सहित सभी जरूरतों का विशेष ध्यान रखने के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट से लेकर आवास, पर्यटन स्थलों सहित सभी वीआईपी मार्गों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

दीया कुमारी ने फिट जीवन शैली अपनाने के लिए किया प्रेरित

जयपुर।उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विद्याधर नगर स्टेडियम में साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) के फिट इंडिया सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान बच्चों ने स्पोटर्स जागरुकता को लेकर विभिन्न प्रस्तुतियां दी। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने लोगों को एक स्वस्थ व फिट जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा साई के माध्यम से देश के युवाओं और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका और प्रोत्साहन मिला है। प्रतिस्पर्धा के इस आधुनिक युग में शरीर का स्वस्थ रहना अत्यन्त आवश्यक है। शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने से व्यक्ति

जीवन में अधिक ऊर्जा के साथ काम करते हुए स्वयं के विकास के साथ-साथ देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है।

कार्यक्रम में सांसद रामचरण बोहरा; स्पोटर्स काउंसिल के चेयरमैन, डॉ पृथ्वीराज सांखला; साई की राजस्थान प्रभारी, प्रज्ञा सैनी सहित कई पार्षद भी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि समाज में जागरूकता लाने के लिए फिट इंडिया सप्ताह के आयोजन के दौरान वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन, पोस्टर बनाने, योग, ध्यान सत्र व सामूहिक प्रतिज्ञा जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आज राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर वंचित बच्चियों को स्वेटर और जर्सियां वितरित की। उप मुख्यमंत्री ने बच्चियों को स्नेह किया और उनके साथ फोटो खिंचवाई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवाकर बच्चियां काफी प्रसन्न और उत्साहित नजर आईं।

आज नौजवान, उद्यमी खुद को गर्व से उत्तर प्रदेश का बताते हैं : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को धरातल पर उतरने का एक सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में आज ही के दिन हमारी सरकार ने एक 'जिला एक उत्पाद योजना' (ओडीओपी) का शुभारंभ किया था, जो आज उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिला रहा है।

इस कार्यक्रम को शुरू करने का परिणाम है कि पहले की सरकारों में उत्तर प्रदेश का निर्यात जहां 86 हजार करोड़ रुपए का था, वहीं आज उत्तर प्रदेश दो लाख करोड़ रुपए का ओडीओपी निर्यात कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अवध शिल्पग्राम से सातवें 'उत्तर प्रदेश दिवस' का शुभारम्भ किया। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2023-24 का वितरण और ओडीओपी उत्पादों की ई-मार्केटिंग के लिए 'ओडीओपी मार्ट पोर्टल' की शुरुआत भी की।

इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के सातवें स्थापना दिवस की बधाई दी और कहा कि नोएडा में पिछले वर्ष आयोजित हुए इंटरनेशनल ट्रेड शो के माध्यम से दुनिया ने उत्तर प्रदेश की क्षमता को देखा। उस ट्रेड शो में 500 से अधिक विदेशी खरीदार आए थे। एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, वेतन देने के लाले थे। पूरे प्रदेश में अव्यवस्था थी। प्रदेश के सामने पहचान का संकट था। यहां का युवा अपनी पहचान छुपाने के लिए मजबूर होता था। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद जब डबल इंजन की सरकार ने काम करना प्रारंभ किया तो प्रदेश में सुरक्षा का एक बेहतर वातावरण बना। आज परिणाम हमारे सामने है। आज उत्तर प्रदेश के नौजवानों, उद्यमियों और व्यापारियों को देश के अंदर अपनी पहचान छुपाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है बल्कि गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का बताते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है। बुनियादी ढांचे और संपर्क के मामले में भी प्रदेश की स्थिति बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत उत्तर प्रदेश से होकर के बहती है। प्रदेश का सातवां स्थापना दिवस हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सप्तपूरियों में से एक अयोध्यापुरी में प्रभु राम 500 वर्षों के लंबे वनवास को तोड़ते हुए स्वयं अपने धाम में विराजमान हुए हैं। उन्होंने लखनऊ की रहने वाली वैज्ञानिक डॉ. ऋतु करीधल श्रीवास्तव और कानपुर के नवीन तिवारी को उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान सम्मानित किया।

रामलला के दर्शन के लिए लगा भक्तों का तांता, मुख्यमंत्री ने दिए बेहतर तालमेल, प्रबंधन के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ (उप्र)/भाषा। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुधवार को भी रामलला के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं की भीड़ के बेहतर प्रबंधन के लिए सभी सम्बन्धित विभागों और जिलों के बीच बेहतर तालमेल बनाने के निर्देश दिए हैं। दोपहर तक करीब तीन लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। मंदिर को उसके अभिषेक समारोह के एक दिन बाद 23 जनवरी को लोगों के लिए खोल दिया गया था। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि एक अनुमान के मुताबिक दोपहर तक लगभग तीन लाख लोगों ने राम लला के दर्शन किए।

भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की देखरेख कर रहे विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, कल और आज की व्यवस्था में केवल इतना ही परिवर्तन है कि हमने दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के लिए एक बेहतर कतार प्रणाली लागू की है। हमने अलग-अलग कतारों में सुचारू प्रवेश और निकास सुनिश्चित करने के लिए समर्पित चैनल तैनात किए हैं। स्थिति अब पूरी तरह अनुकूल और नियंत्रण में है। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने मंदिर में भीड़ प्रबंधन के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे जाने पर कहा, आप खुद देख सकते हैं, कहीं लम्बी कतारें नहीं हैं। आज सुबह सात बजे से पहले भी लोग आ गए थे। सब लोग आराम से कतार में लगे हुए थे। उसके बाद से उनका दर्शन अनवरत चल रहा है। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में अयोध्या में रामलला के दर्शनार्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग, नगर विकास और पुलिस विभाग के बीच तालमेल और अंतरराज्यीय/अंतर्जनपदीय संवाद और समन्वय बनाए रखने के निर्देश देते हुए अयोध्या आने के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन अभी स्थगित रखने की हिदायत दी है।

लोकतंत्र के तीनों अंगों के बीच मुद्दे होंगे, लेकिन उन्हें व्यवस्थित तरीके से सुलझाना होगा : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र के तीन प्रमुख अंगों कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के बीच मुद्दे होंगे लेकिन उन्हें व्यवस्थित तरीके से सुलझाना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधायिका के साथ कुछ होमवर्क करने की आवश्यकता है क्योंकि चर्चा और संवाद को व्यवधानों की जगह लेनी चाहिए।

आपातकाल लगाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे भारत के संवैधानिक इतिहास का ''सबसे काला एवं शर्मनाक काल'' बताया। उन्होंने कहा, हमारी शासन व्यवस्था में कभी भी ऐसे लोग नहीं थे जो इस स्तर तक गए हों कि लाखों लोगों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित किया जाए और उन्हें जेल में डाला जाए। धनखड़ ने कहा कि यही वह समय था जब हमें

उम्मीद थी कि राज्य का एक अन्य अंग 'न्यायपालिका' ऐसे अवसर पर आगे आएगी। उन्होंने कहा, लेकिन दुर्भाग्य से न्यायपालिका के लिए भी यह सबसे काला समय था। इस देश के नौ उच्च न्यायालयों ने एक स्वर में एक रुख अपनाया – आपातकाल हो या न हो, लोगों के मौलिक अधिकारों को रोका नहीं जा सकता, वे हमेशा जीवित हैं। उप राष्ट्रपति के मुताबिक, लोग चाहते थे कि काश, एडीएम, जबलपुर मामले (जो 1975 में भारत में लगाए गए आपातकाल से उत्पन्न हुआ) में उच्चतम न्यायालय ने नौ उच्च न्यायालयों के आदेश को पलटा नहीं होता। उस फैसले का हिस्सा रहे दो न्यायाधीशों ने बाद में सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया था।

लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का ममता का फैसला विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के लिए मौत की घंटी : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला उनकी 'हताशा' का संकेत और विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडि' के लिए 'मौत की घंटी' है। ममता बनर्जी ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडि) गठबंधन को बड़ा झटका देते हुए आज घोषणा की कि उनकी पार्टी ने पश्चिम बंगाल में लोस चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है।

इस घटनाक्रम पर पश्चिम बंगाल के लिए भाजपा के सह-प्रभारी और पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का ममता बनर्जी का फैसला हताशा का संकेत है। अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में असमर्थ होने के कारण वह सभी सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है ताकि चुनाव के बाद भी उनकी प्रासंगिकता बनी रहे।

ममता के बिना 'इंडि' गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते : कांग्रेस

बोंगाईगांव (असम)/भाषा। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी की लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद बुधवार को कहा कि ममता के बिना विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडि) की कल्पना नहीं की जा सकती। पार्टी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान असम के उत्तरी सलमारा में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से बातचीत में यह उम्मीद भी जताई कि पश्चिम बंगाल में विपक्षी गठबंधन 'इंडि' एकसाथ चुनाव लड़ेगा।

रमेश ने कहा, आपने ममता जी का पूरा बयान नहीं पढ़ा है। पूरा बयान है कि हम भाजपा को हराना चाहते हैं और भाजपा को हराने के लिए कोई कदम पीछे नहीं लेंगे। उसी भावना के साथ हम (भारत जोड़ो न्याय यात्रा) पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर रहे हैं। उनका कहना था, रास्ते में कभी कभी स्पीड ब्रेकर आ जाता है, कभी कभी लाल बत्ती आ जाती है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम पीछे हट जाएं...कल यही सवाल राहुल जी से पूछा गया था और इस पर राहुल गांधी जी ने स्पष्ट उत्तर दिया था कि तृणमूल कांग्रेस और ममता जी 'इंडि' गठबंधन का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हम ममता जी के बिना 'इंडि' गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकते। 'इंडि' गठबंधन प. बंगाल में लोकसभा चुनाव लड़ेगा और सभी (साझेदार) भाग लेंगे।

असम सरकार जितने चाहे, मामले दर्ज कर ले, डरने वाला नहीं हूं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारपेटा (असम)/भाषा। गुवाहाटी पुलिस द्वारा भीड़ को उकसाने के आरोप में राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश सरकार को चुनौती दी कि वे ''चाहे जितने मामले दर्ज कर लें'' लेकिन वह डरने वाले नहीं हैं।

बारपेटा जिले में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के सातवें दिन अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में कांग्रेस नेता ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की आलोचना की और उन पर जमीन और सुपारी से संबंधित कई आरोप लगाते हुए उन्हें देश का ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' करार दिया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि हिमंत विश्व शर्मा को यह विचार कैसे आया कि वह मामले दर्ज करके मुझे डरा सकते हैं। जितना संभव हो, उतने मामले दर्ज करें। 25 और मामले दर्ज करें, आप मुझे डरा नहीं सकते। भाजपा-आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) मुझे डरा नहीं सकते।

गुवाहाटी पुलिस ने मंगलवार को राज्य की राजधानी में हिंसा के कृत्यों के लिए गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की थी। उन्होंने कहा, मैंने (नरेन्द्र) मोदी के खास दोस्त (गौतम) अडाणी के खिलाफ भाषण दिया और मेरे खिलाफ मामला दर्ज किया गया। फिर मुझे संसद से बाहर निकाल दिया गया और मेरा सरकारी आवास छीन लिया गया। मैंने खुद सरकारी आवास की चाबियां दे दीं, मुझे यह नहीं चाहिए। वहां मौजूद लोगों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच गांधी ने कहा, मेरा घर हर भारतीय नागरिक के दिल में है, मैं उनके दिल में रहता हूं। मेरे पास असम, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और अन्य सभी राज्यों में लाखों घर हैं।

कर्पूरी ठाकुर से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है केंद्र सरकार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को जननायक कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार निरंतर कर्पूरी ठाकुर से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है जो सरकार की उन नीतियों में भी परिलक्षित होता है, जिनसे देशभर में 'सकारात्मक बदलाव' आया है।

भारत सरकार ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित करने का फैसला किया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंगलवार को इसकी घोषणा हुई। यह घोषणा कर्पूरी ठाकुर की 100वीं जयंती से एक दिन पहले की गई। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, देशभर के मेरे परिवारजनों की ओर से जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को उनकी जन्म-शताब्दी पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि।

इस विशेष अवसर पर हमारी सरकार को उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

ठाकुर ने भारतीय समाज और राजनीति पर जो 'अविस्मरणीय छाप' छोड़ी है, उसे लेकर प्रधानमंत्री ने अपनी भावनाओं और विचारों को 'नमो ऐप' पर लिखे अपने एक लेख के माध्यम से 'एक्स' पर साझा किया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार निरंतर जननायक कर्पूरी ठाकुर जी से प्रेरणा लेते हुए काम कर रही है। यह हमारी नीतियों और योजनाओं में भी दिखाई देता है, जिससे देशभर में सकारात्मक बदलाव आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी त्रासदी यह थी कि कर्पूरी ठाकुर जैसे कुछ नेताओं को छोड़कर सामाजिक न्याय की बात केवल एक 'राजनीतिक नारा' बनकर रह गई। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर हमने इसे शासन के एक प्रभावी मॉडल के रूप में लागू किया। मैं विश्वास और गर्व के साथ कह सकता हूं कि भारत के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की उपलब्धि पर आज वह जरूर गौरवान्वित होते। उन्होंने कहा कि गरीबी से बाहर निकलने वालों में समाज के सबसे पिछड़े तबके के लोग सबसे ज्यादा हैं, जो आजादी के 70 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज केंद्र सरकार योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ लोगों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है और इस दिशा में उसके प्रयास सामाजिक न्याय के प्रति सरकार के संकल्प को दिखाते हैं। इस कड़ी में उन्होंने मुद्रा लोन से अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को मिल रहे लाभों का उल्लेख किया और कहा कि यह कर्पूरी ठाकुर के आर्थिक स्वतंत्रता के सपनों को पूरा कर रहा है।

गर्भगृह में पहुंचा वानर, मानो हनुमान जी रामलला के दर्शन को आए हों

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंगलवार को एक वानर गर्भगृह में प्रवेश कर उत्सव मूर्ति तक पहुंच गया। दर्शनार्थियों के बीच यह वानर कौतुहल का विषय बना रहा। मंदिर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने इस संबंध में अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसा लगा कि मानो हनुमान जी रामलला के दर्शन को आए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा मंगलवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'श्री राम जन्मभूमि मंदिर में हुई इस कौतुहलपूर्ण घटना का वर्णन' किया गया। ट्रस्ट द्वारा किए गए पोस्ट में कहा गया, आज सायंकाल लगभग 5:50 बजे एक बंदर दक्षिणी द्वार से गूढ़ मंडप से होते हुए गर्भगृह में प्रवेश करके उत्सव मूर्ति के पास तक जा पहुंचा। बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने वानर को वहां पहुंचते हुए देखा। पोस्ट में आगे कहा गया, सुरक्षाकर्मी बंदर की ओर यह सोच कर भागे कि कहीं वह उत्सव मूर्ति को जमीन पर न गिरा दे। परन्तु जैसे ही पुलिसकर्मी बंदर की ओर दौड़े, वैसे ही बंदर शांतभाव से उत्तरी द्वार की ओर चला गया। द्वार बंद होने के कारण वह पूर्व दिशा की ओर बढ़ा और दर्शनार्थियों के बीच में से होता हुआ बिना किसी को कष्ट पहुंचाए पूर्वी द्वार से बाहर निकल गया।

मायावती ने की बसपा संस्थापक कांशीराम को 'भारत रत्न' देने की मांग

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को केंद्र सरकार द्वारा 'भारत रत्न' दिए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए बसपा संस्थापक काशीराम को भी इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजने की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए सिलसिलेवार पोस्ट में यह मांग रखी। उन्होंने कहा, देश में खासकर अति-पिछड़ों को उनके संवैधानिक हक के लिए आजीवन कड़ा संघर्ष करके उन्हें सामाजिक न्याय एवं समानता का जीवन दिलाने वाले जननायक श्री कर्पूरी ठाकुर जी को आज उनकी 100 वीं जयंती पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। बसपा प्रमुख ने इसी सिलसिले में एक अन्य पोस्ट में कहा, बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे देश के ऐसे महान व्यक्तित्व श्री कर्पूरी ठाकुर जी को देर से ही सही, अब भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के केन्द्र सरकार के फैसले का स्वागत है। उन्होंने अन्य पोस्ट में कहा, इसी प्रकार, दलितों एवं अन्य उपेक्षितों को आत्म-सम्मान के साथ जीने एवं उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बसपा के संस्थापक मान्यवर श्री कांशीराम जी का योगदान ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय है।

नंबर एक रैंकिंग भारतीय टेनिस की अगली पीढ़ी को प्रेरित करेगी : बोपन्ना

नई दिल्ली/भाषा। रोहन बोपन्ना को लगता है कि करियर के अंतिम पड़ाव में उनका युगल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना भारतीय टेनिस के लिए इस समय प्रेरणादायी रहेगा क्योंकि इस समय वह खराब दौर से जूझता दिख रहा है। बोपन्ना (43 वर्ष) बुधवार को यहां आस्ट्रेलयाई खिलाड़ी मैथ्यू इबडेन के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पुरुष युगल की नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग से टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले बोपन्ना और इबडेन ने एक घंटे 46 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की छठी वरीय जोड़ी पर 6-4, 7-6 की आसान जीत दर्ज की।

बोपन्ना टूर्नामेंट के समाप्त होने के बाद सोमवार को युगल विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे। बोपन्ना ने मेलबर्न से पीटीआई से इंटरव्यू में कहा, यह उपलब्धि सिर्फ मेरे लिए ही नहीं बल्कि भारतीय टेनिस के लिए भी अहमियत रखती है। अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए आपको किसी चीज की जरूरत होती है। सुमित नागल का भी ऑस्ट्रेलियाई ओपन शानदार रहा। उसने एक दौर का मैच जीता। यह उपलब्धि इतनी सारी कुर्बानियों के बाद मिली है। उन्होंने कहा, पुरुष युगल में नंबर एक रैंकिंग पर बहुत गर्व है। यह काफी विशेष क्षण है। पर इसके लिए काफी कुर्बानी दी हैं। मेरे कोच और परिवार सभी ने। मेरा परिवार मेरे साथ ही यात्रा कर रहा है इसलिए यह बिलकुल अलग अहसास है।

प्रधानमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का पूरा श्रेय लेने का दावा कर सकते हैं : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित करने का पूरा श्रेय ले सकते हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकुर की जन्मशती पर जनतादल यूनाइटेड (जदयू) द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए पार्टी के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक गुरू के लिए सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार की अपनी निरंतर मांगों का जिक्र करते हुए कहा, मुझे मेरी पार्टी के सहयोगी और दिवंगत नेता के पुत्र रामनाथ ठाकुर ने बताया कि घोषणा के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें फोन किया था। अभी तक प्रधानमंत्री ने मुझे फोन नहीं किया है। हो सकता है कि वह इस कदम का पूरा श्रेय स्वंय लेना चाहते हों। जो भी हो, मैं उस मांग को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को धन्यवाद देता हूं जो मैं बिहार में सत्ता संभालने के बाद से उठाता रहा हूं। जदयू

प्रमुख ने यह भी कहा कि उन्होंने अपने परिवार के किसी भी सदस्य को ''बढ़ावा देने की कभी कोशिश नहीं की'' क्योंकि उन्होंने दिवंगत कर्पूरी ठाकुर से प्रेरणा ली थी जो सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के लिए जाने जाते थे। उन्होंने कहा, वह कर्पूरी ठाकुर ही थे जिन्होंने अन्य पिछड़े वर्गों और अत्यंत पिछड़े वर्गों के प्रति हमें प्रतिबद्ध होने के लिए प्रेरित किया। जातिगत सर्वेक्षण करवाकर हमने वंचित वर्गों के लिए कई अन्य कल्याणकारी योजनाएं जो शुरू की हैं उसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

भारत ने एफआईएच हॉकी5 महिला विश्व कप में पोलैंड को हराया

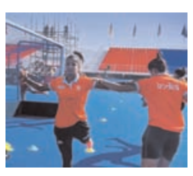

मस्कट/भाषा। दीपिका सोरेंग और मुमताज खान के दो दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी5 महिला विश्व कप में पूल सी के पहले मैच में पोलैंड को 5.4 से हराया। मुमताज ने चौथे और 23वें मिनट में गोल किया जबकि दीपिका ने छठे और 29वें मिनट में गोल दागा। मरियाना कुजूर ने 33वें मिनट में गोल किया। पोलैंड के लिए जूलिया के (आठवां), कप्तान मारलेना रिबाचा (10वां), पाउला स्लाविंस्का (27वां) और मोनिका पोलव्जाक (29वां) ने गोल दागे। भारत ने चौथे मिनट में मुमताज के गोल पर बढत बना ली। इसके बाद दीपिका ने भारत की बढत दुगुनी कर दी। पोलैंड ने जवाबी हमले में दो मिनट में दो गोल किए। मुमताज के दूसरे गोल के दम पर पहले हाफ में स्कोर 3.2 था। दूसरे हाफ में टीमों ने रक्षात्मक खेल दिखाया। भारत के लिए कुजूर ने शानदार मूव को अंजाम देते हुए गोल किया। स्लाविंस्का ने 27वें मिनट में पोलैंड के लिए गोल दागा लेकिन दीपिका ने दो मिनट बाद गोल करके भारत को दो गोल की बढत दिला दी।

तीसरे स्पिनर के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव में से एक को चुनना मुश्किल : रोहित शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के लिए तीसरे स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के बीच किसी एक को चुनने के लिए टीम प्रबंधन के सामने बहुत मुश्किल थी लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि हो सकता है कि अक्षर बाजी मार ले।

इंग्लैंड के खिलाफ यहां गुरुवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के बाद भारत को तीसरा स्पिनर चुनना है। रोहित ने मैच पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, विकेट पर उछाल है या नहीं है, वह (कुलदीप) इस तरह की परिस्थितियों में काफी अहम रहता है क्योंकि उसके पास काफी वैरिएशन हैं। वह अब काफी

परिपक्व गेंदबाज भी बन गया है। वह अश्विन और जडेजा की वजह से भारत में ज्यादा टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाया है। हमने पहले भी देखा है कि हमारे बल्लेबाजी मध्यक्रम में काफी बल्लेबाजों को काफी देर से मौका मिला। उन्होंने कहा, लेकिन यही सच्चाई है और आप इसे छुपा नहीं सके। लेकिन हां, वह बहुत ही लुभावने विकल्प हैं।

हालांकि रोहित ने मैच के लिए अंतिम टीम के बारे में नहीं बताया लेकिन संकेत दिया कि अक्षर अंतिम एकादश में जगह बना सकते हैं। उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर की बतौर आलराउंडर उपयोगिता बतायी और टीम प्रबंधन कम से कम इस टेस्ट के लिए उन्हें तरजीह दे सकता है। रोहित ने कहा, अक्षर की आल राउंडर क्षमता से हमें बल्लेबाजी में गहराई मिलती है। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में इस तरह की परिस्थितियों में खेलते हुए जो निरंतरता दिखायी है, वह भी हमारे लिए एक अहम कारक है। उन्होंने कहा, लेकिन इन दोनों में से एक पर फैसला करना बहुत मुश्किल था। लेकिन मैं नहीं बताने वाला हूं कि किसे चुना गया है।

सुविचार

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भागवान पर विश्वास नहीं कर सकते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोना-कोना जगमग

अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की घोषणा एक क्रांतिकारी पहल है। इसके तहत एक करोड़ घरों की छतों (रूफटॉप) पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे! यह घरों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने वाली बहुत बड़ी योजना होगी, जिससे करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे। साथ ही, आने वाले दशकों में ऊर्जा परिदृश्य पूरी तरह बदल जाएगा। अभी तक दूर-दराज के इलाकों में कनेक्शन लेना काफी चुनौतीपूर्ण और खर्चीला था। निस्संदेह बिजली आपूर्ति में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में कटौती होती रहती है। वहीं, बिल जमा कराने, अगर कहीं त्रुटि हो तो दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ जाते हैं (ऑनलाइन व्यवस्था से इनमें भी सुधार हुआ है)। यह योजना लागू होने के बाद ये बातें अतीत का हिस्सा हो जाएंगी। इस योजना को लेकर धरातल पर ठीक तरह से काम हुआ तो भारत का कोना-कोना जगमग हो जाएगा। प्रभु श्रीराम जब लंका-विजय के बाद अयोध्या आए थे तो हर कहीं खुशियों के दीप जगमगाए थे। 22 जनवरी को उनकी प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद भी दीपावली मनाई गई। अब ज़रूरत इस बात की है कि यह उजाला हर घर तक पहुंचे और इस तरह पहुंचे कि 'रोशनी का राज' हमेशा कायम रहे .. अंधेरों, अभावों का खात्मा हो जाए। हाल के वर्षों में सौर ऊर्जा के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है। इसका महत्त्व सबको समझ में आ रहा है। बस, सरकार की ओर से संबल दिए जाने की ज़रूरत थी, जिसका वादा प्रधानमंत्री ने कर दिया है। यह भी अद्भुत संयोग है कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की इस योजना की घोषणा सूर्यवंशी भगवान श्रीराम के अपने मंदिर में विधि-विधानपूर्वक विराजमान होते ही की गई!

भारत में सौर ऊर्जा को लेकर भरपूर संभावनाएं हैं। यहां अधिकांश भू-भाग पर साल के ज्यादातर महीनों में खूब धूप होती है। वहीं, ज्यादातर घरों की छतें खाली होती हैं या उन पर ऐसा सामान रखा होता है, जिसका रोज़ाना इस्तेमाल नहीं किया जाता। इन दोनों बिंदुओं को सौर ऊर्जा से जोड़ दें तो हमारी ऊर्जा संबंधी ज़रूरतों का बहुत बड़ा हिस्सा आसानी से पूरा हो सकता है। जिन घरों में बिजली की ज्यादा खपत होती है, वहां उसके अनुपात में ज्यादा सोलर पैनल लगाए जा सकते हैं। इस योजना का ग्रामीण क्षेत्रों को बहुत फायदा मिलेगा। किसानों के लिए खेती की रखवाली करना आसान हो जाएगा। उनके बच्चे रात को पढ़ाई कर सकेंगे। जो लोग कोई लघु उद्योग लगाना चाहेंगे, उनके लिए भी आसानी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली ऐसी प्रतिभाएं, जिनका काम मुख्यतः मोबाइल फोन और लैपटॉप पर आधारित है, उनके लिए तो यह योजना वरदान सिद्ध हो सकती है। वे कमरे में, घर की छत पर, खेत में या अपनी सुविधानुसार कहीं भी बैठकर काम कर सकेंगे। उन्हें बैट्री चार्ज करने के लिए बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। न ही (किसी कारण से) बिजली कटौती होने पर उनका काम रुकेगा। भारत के संबंध में दशकों से यह धारणा रही है कि यहां तो धूप और गर्मी है, जबकि पश्चिमी देशों में मज़े हैं, क्योंकि वहां ठंडा मौसम है, धूप के महीने बहुत कम हैं! अब यही धूप और गर्मी हमारी बहुत बड़ी शक्तियां बनने वाली हैं। अगर भारतवासी अपनी शक्ति व सामर्थ्य का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग कर लें तो न केवल ऊर्जा ज़रूरतों के लिए आत्मनिर्भर हो सकते हैं, बल्कि पड़ोसी मित्र देशों की ज़रूरतें भी पूरी कर सकते हैं। भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व कर सकता है। इसी तरह, घरों की छतों और दीवारों पर खेती को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। कई लोगों को इस बात पर आश्चर्य हो सकता है, लेकिन आज ऐसी खेती हो रही है। इज़राइल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। घरों की छतों और दीवारों पर आलू, टमाटर, पालक, मटर, लौकी, भिंडी जैसी सब्जियां आसानी से उगाई जा सकती हैं। इससे खाली जगह का बेहतरीन इस्तेमाल होगा। साथ ही, रसोई के बजट में मदद मिलेगी।

ट्वीटर टॉक

आज की युवा पीढ़ी के लिए कर्पूरी ठाकुर जी के बारे में जानना, उनके जीवन से सीखना बहुत जरूरी है। ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि उसे जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित करने का अवसर मिला।

-नरेन्द्र मोदी

देशवासियों का भरपूर प्यार और विश्वास राहुल गांधी और भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मिल रहा है। लोकतंत्र और न्याय की ताकत देखकर असम के मुख्यमंत्री इतने डर गए हैं कि अपने भ्रष्ट तंत्र से यात्रा में पाबंदियां और नेताओं पर केस लगा रहे हैं।

-सचिन पायलट

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम व लीलाधर भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि, बाबा विश्वनाथ का धाम तथा विविधता में एकता को समेटे लोक कला, संस्कृति, धर्म, संस्कार, एवं अपने ऐतिहासिक शौर्य गाथा से परिपूर्ण वीर धरा उत्तरप्रदेश के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

समृद्ध वैदिक परंपरा

एक बार स्वामी विवेकानंद से जब उनके एक भारतीय मित्र ने अमेरिका की सबसे खतरनाक बीमारी के बारे में पूछा तो स्वामी जी ने कहा कि अमेरिकी लोगों को सबसे अधिक मानसिक बीमारी का शिकार होना पड़ता है। इस बीमारी की वजह पूछने पर स्वामी विवेकानंद ने अपने मित्र को उत्तर दिया कि उनके जीवन की तेजी औरों से अधिक है। अमेरिका में कोई आराम से नहीं चलता, बल्कि दौड़ता है अर्थात सब एक-दूसरे से आगे जाने की सोच रखते हैं। कोई भी व्यक्ति आराम से बात नहीं करता, वे लोग केवल काम की ही बात करते हैं। बाकी देशों के लोग भी अमेरिका से प्रतियोगिता में लग गए हैं जिसके कारण वे एक महीने में पूरा होने वाला काम एक दिन में ही ख़त्म करने की कोशिश करने लगे हैं। यही कारण है कि और देश के लोगों में भी अमेरिका जैसी मानसिक बीमारी फैलने लग गई है। भारत वैदिक परंपरा का अनुयायी रहेगा तो यहां अवसाद अपना स्थाई घर नहीं बना सकेगा।

सामयिक

धार्मिक पर्यटन का केंद्र है भारत

लोकेन्द्र सिंह
दूरभाष : 09893072930

धर्म और अध्यात्म भारत की आत्मा है। यह धर्म ही है, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एकात्मता के सूत्र में बांधता है। भारत की सभ्यता और संस्कृति का अध्ययन करते हैं तो हमें साफ दिखायी देता है कि धार्मिक पर्यटन हमारी परंपरा में रचा-बसा है। तीर्थाटन के लिए हमारे पुरखों ने पैदल-पैदल ही इस देश को नापा है। भारत की सभ्यता एवं संस्कृति विश्व समुदाय को भी आकर्षित करती है। हम अनेक धार्मिक स्थलों पर भारतीयता के रंग में रंगे विदेशी सैलानियों को देखते ही हैं। दरअसल, भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा धार्मिक स्थलों का देश कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार, देशभर में पाँच हजार से अधिक सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। अब उनमें एक और स्थान जुड़ गया- अयोध्या धाम। जिस प्रकार का आस्था का सैलाब प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के बाद रामलला के दर्शन को उमड़ा है, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि आनेवाले समय में भारत का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल अयोध्या धाम होगा।

भारत के शहर-शहर में कई ऐसे स्थान हैं, जहाँ देशभर से लोग पहुँचते हैं। मथुरा, वृंदावन, अयोध्या, काशी, उज्जैन, द्वारिका, त्रिवेंद्रम, कन्याकुमारी, अमृतसर, जम्मू-कश्मीर, पुरी, केदारनाथ, बद्रीनाथ इत्यादि ऐसे स्थान हैं, जहाँ न केवल भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में पहुँचते हैं अपितु विदेशी और भारतीय मूल के नागरिक श्रद्धा के साथ आते हैं। पिछले आठ-दस वर्षों में भारत के धार्मिक पर्यटन में उत्साहजनक वृद्धि हुई है। विश्व के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल धार्मिक स्थलों को पुनर्विकसित कराया है, अपितु आगे बढ़कर धार्मिक पर्यटन का प्रचार-प्रसार भी किया है। जिसके परिणाम हमें धार्मिक पर्यटन में हो रही वृद्धि के रूप में दिखायी देते हैं। विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, देश के कुल पर्यटन में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी धार्मिक पर्यटन की है। आज देश के पर्यटन उद्योग में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है।

भारत सरकार की पहल पर पर्यटन मंत्रालय ने कुछ वर्ष पहले धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए चरणबद्ध विकास योजना तैयार की थी। इसमें 53 धार्मिक स्थानों को वरीयता के आधार पर पहले चरण में विकसित जा रहा है। इनमें से कई धार्मिक स्थल पूर्ण रूप से विकसित हो चुके हैं। दूसरे चरण में 89 जगहों पर काम होगा। वर्तमान समय में राष्ट्रीय विचार की सरकार केंद्र में है, उसके अब तक के कार्यकाल के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है कि हिन्दू संस्कृति के प्रसार हेतु धार्मिक पर्यटल स्थलों को विकसित करने का यह क्रम आगे भी लगातार चलता रहेगा। देश को सात नए टूरिज्म सर्किट में भी बांटा गया है। ये सर्किट सूफी, बौद्ध, जैन, ईसाई, सिख, हिन्दू और सर्वधर्म के तौर पर विकसित किए जा रहे हैं। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता में है। इस बात को यूँ भी समझ सकते हैं कि बड़े तीर्थस्थलों पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं भी बार-बार जा रहे हैं। केदारनाथ और सोमनाथ परिसर का उन्होंने कायाकल्प कर दिया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक ने तो दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

भारत सरकार ने 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक वृद्धि अभियान' (प्रसाद) नाम से योजना शुरू की है। प्रसाद योजना का उद्देश्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के बुनियादी ढांचे एवं सुविधाओं में सुधार करना है। इसे 2015 में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'स्वदेश दर्शन योजना' के हिस्से के रूप में प्रारंभ किया गया था। सरकार ने 1586.10 करोड़ रुपए की 45 विकास योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। भारतीय संस्कृति की गूंज दुनिया को सुनायी दे, इस मन्तव्य के साथ ही सरकार इसलिए भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही है क्योंकि यह लोगों को वृहद स्तर पर रोजगार दे रहा है। धार्मिक पर्यटन का एक पहलू अगर धार्मिक और आध्यात्मिक सरोकार हैं तो दूसरा पहलू आर्थिक और सामाजिक विकास भी है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पर्यटन उद्योग भारत के कुल कार्यबल का लगभग 6 प्रतिशत रोजगार देता है। धार्मिक पर्यटन स्थलों से सरकार को वर्ष 2022 में 1,34,543 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। जबकि यही आंकड़ा 2021 में 65,070 करोड़ रुपये का था। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार 2022 में पर्यटकों की संख्या 143.3 लाख करोड़ तथा 66.40 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए।

आर्थिक विषयों के विशेषज्ञ एवं हिन्दू दृष्टि से अर्थव्यवस्था पर लेखन करनेवाले विद्वान प्रह्लाद सबनानी के कहते हैं कि भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है। देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। यह भी याद रखें कि देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। जब धार्मिक पर्यटन से रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हों, अर्थव्यवथा मजबूत हो रही हो तब सरकार क्यों पीछे रहना चाहेगी और फिर भारतीय धार्मिक सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने एवं संवारने में मोदी सरकार को किसी प्रकार का संकोच भी नहीं है। आज भारत की बागडोर ऐसे नेता के हाथों में नहीं है, जिन्होंने कभी भारतीय संस्कृति के मानबिन्दु सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण एवं उसके लोकार्पण में बाधाएं उत्पन्न की थीं। वर्तमान नेतृत्व एवं सरकार भारतीयता पर गर्व करते हैं और उसके संवर्धन, संरक्षण एवं प्रसार-प्रचार को प्राथमिकता में रखते हैं। निःसंदेह, हमें भविष्य में देश के लगभग सभी धार्मिक महत्व के छोटे-बड़े स्थान पूर्ण रूप से विकसित दिखायी देंगे।

मध्यप्रदेश के उज्जैन में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकालेश्वर मंदिर के भव्य और 'दिव्य महाकाल लोक' का उद्घाटन किया था तब उन्होंने विश्वास व्यक्त किया था कि देश की ऐसी धरोहरें निश्चित तौर पर ना केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ाएंगी बल्कि हमारी संस्कृति के जागरण का भी काम करेंगी। उनका यह वक्तव्य धार्मिक पर्यटन के महत्व को भी रेखांकित करता है। स्मरण रखें कि भारत के स्व' की अनुभूति करने और उसकी स्थापना के लिए गुरु नानकदेव से लेकर स्वामी विवेकानंद तक ने देशाटन किया है। यह बात अनुभव सिद्ध है कि भारत को समझने के लिए भारत का भ्रमण अवश्य किया जाना चाहिए। भारत की सांस्कृतिक गौरव गाथा को जानने के लिए हमें उन स्थानों पर जाना ही होगा, जहाँ से भारत बोलता है। धार्मिक पर्यटन भारत के इतिहास, संस्कृति, समाज जीवन एवं उसकी परंपराओं के प्रति हमारी समझ को गहरा करता है और नयी दृष्टि भी प्रदान करता है। भारत की विविधता को देखना है और उसमें साम्य को समझना है, तब हमें निश्चित ही भारत के सभी हिस्सों में भ्रमण करना चाहिए। विशेषकर धार्मिक स्थलों पर अवश्य जाना चाहिए, तब हम देख पाएंगे कि ये धार्मिक स्थल भारत की विविधता को एक माला में पिरोते हैं।

नजरिया

संवैधानिक मूल्यों पर ही टिका है देश का विकास

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत के गणतंत्र का, सारे जग में मान, दशकों से खिल रही, उसकी अद्भुत शान, सब धर्मो को देकर मान रचा गया इतिहास का, इसलिए हर देशवासी को इसमें है विश्वास। गणतंत्र दिवस के आते ही स्मृतियों का सैलाब उमड़ आता है, हमारे स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास स्मृति के वातावरण से झाँकने लगता है। गणतंत्र दिवस हमारी प्राचीन संस्कृति का गरिमा का गौरव दिवस है। भारत आज लोकतंत्र की मशाल जलाते हुए दुनिया में आशा-उमंग, शांति के आकर्षण का केंद्र बिंदु बन गया है। आजादी को संजोए रखना इतना भी आसान नही होता इसके लिए अपनी नियम, नीति और योजनाएं बनाना और उनको क्रियान्वित करना बहुत ही जरुरी था। जिसके लिए भारत के संविधान की रचना करना और उस संविधान में नियम कानून और शर्तो को लागू करना बहुत आवश्यक था। इसके लिये एक समिति बनाई गई और उस समिति के द्वारा संविधान का निर्माण किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया। गणतंत्र को लोकतंत्र, जनतंत्र व प्रजातंत्र भी कहते हैं, जिसका अर्थ है - प्रजा का राज्य या प्रजा का शासन। संविधान के बारे में संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर कहते है - मुझे लगता है यह संविधान व्यवहारिक है, ये शांति और युद्ध दोनों के समय देश को बांधे रखने के लिए लचीला भी है और मजबूत भी। वास्तव में, मैं यह कह सकता हूँ कि यदि नए संविधान के अंतर्गत कुछ गलत होता है, तो उसका कारण ये नहीं होगा कि हमारा संविधान खराब है। हमें ये कहना होगा कि ये मनुष्य की नीचता थी। स्पष्ट है कि भारत ने एक ऐसा संविधान का निर्माण किया था जिसपर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए।

26 जनवरी 1950 को, हमारा देश भारत संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, और लोकतांत्रिक, गणराज्य के रूप में घोषित हुआ। गणतंत्र दिवस मनाने का मुख्य कारण यह है कि इस दिन हमारे देश का संविधान प्रभाव में आया था।26 जनवरी 1950 के दिन 'भारत सरकार अधिनियम' को हटाकर भारत के नवनिर्मित संविधान को लागू किया गया। इसलिए उस दिन से 26 जनवरी के इस दिन को भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह भारत के तीन राष्ट्रीय पर्वों में से एक है। इस दिन पहली बार 26 जनवरी 1930 में पूर्ण स्वराज का कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें अंग्रेजी हुकूमत से पूर्ण आजादी के प्राप्ति का प्रण लिया गया था।

भारत की राजधानी दिल्ली में गणंतंत्र दिवस पर विशेष आयोजन होते हैं। देश के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर शहीद ज्योति का अभिनंदन करने के साथ ही उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आम जनता भी आतुर रहती है, ताकि भारत के इस जश्न में शामिल हो सके। यहाँ पर कई तरह की सांस्कृतिक और पारंपरिक झांकिया निकाली जाती हैं, जो कि देखने में काफी मनमोहक होती हैं। इसके साथ ही इस दिन का सबसे विशेष कार्यक्रम परेड का होता है, जिसे देखने के लिए लोगों में काफी उत्साह होता है। यह वह कार्यक्रम होता है, जिसके द्वारा भारत अपने सामरिक तथा कूटनीतिक शक्ति का भी प्रदर्शन करता है और विश्व को यह संदेश देता है कि हम अपने रक्षा में सक्षम है।

आज हमारा संविधान विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो गया है। भ्रष्टाचार, बलात्कार, प्रदूषण, जनसंख्या नियंत्रण जैसे अनेक समस्याओं ने भारत माँ को लहूलुहान कर दिया है। आज भी हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा हुआ प्रतीत होता है। अनायास ही हमारा ध्यान गणतंत्र की स्थापना से लेकर 'क्या पाया, क्या खोया' के लेखेजोखे की तरफ खींचने लगता है। इस ऐतिहासिक अवसर को हमने मात्र आयोजनात्मक स्वरूप दिया है, अब इसे प्रयोजनात्मक स्वरूप दिये जाने की जरूरत है। इस दिन हर भारतीय को अपने देश में शांति, सौहार्द और विकास के लिये संकल्पित होना चाहिए। कर्तव्यपालन के प्रति सतत जागरूकता से ही हम अपने अधिकारों को निरापद रखने वाले गणतंत्र का पर्व सार्थक रूप में मना सकेंगे और तभी लोकतंत्र और संविधान को बचाए रखने का हमारा संकल्प साकार होगा। बी. आर. अम्बेडकर ने भी समस्याओ के समाधान हेतु कानून लाने के बारे में कहा था- क़ानून व व्यवस्था राजनीतिक शरीर की दवा है और जब राजनीतिक शरीर बीमार पड़ने लगे तो दवा जरुर देनी चाहिए।

अपनी ममता से देश का बचपन संवारने वाली महिलाओ के साथ हो रहे अनेक प्रकार की हिंसा से उन्हें घायल कर दिया जाता है। एक तरफ लड़किया भारत का नाम विश्व मंच पर रौशन कर रही है वहीं दूसरी ओर महिलाओं का बलात्कार किया जाता है, तेजाब फेंक उन्हें झुलसाया जाता है और दहेज के लिए मार दिया जाता है। क्या सच में संविधान में जो अधिकार महिलाओं को मिले है उनको अब तक मिल पाया है? सात दशक बाद भी सवालों का परचम लहराती हुई नारी पूरे भारत के सामने जबाब के लिए खड़ी है। प्रश्न यह है कि नारी के उदर से जन्म लेकर उसकी गोद मे मचल कर, माता की ममता, बहन की स्नेह, प्रेयसी का प्यार तथा पत्नी का समर्पण पा कर भी पुरूष नारी के प्रति पाषाण कैसे बन गया? आखिर विवशता की आग में कब तक जलती रहेगी महिलाएं! तमाम चीजें सवाल बनकर संविधान के समक्ष खड़ा है। कब तक महिलाओ को वो सामाजिक अधिकार मिलेगा जो संविधान ने दिए हैं?

राजनीतिक व्यवस्था से समाज में चुस्त, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित कानून बनाया जाए और प्रत्येक नागरिक चाहे जो कोई हो बेरोजगार या अमीर, सेवादार या किसान सब अपनी प्रत्यक्ष संपत्ति जायदाद का खुलासा करें कि जो भी चल-अचल धन है वही है और अप्रत्यक्ष कहीं भी देश या विदेश में मिलने पर जब्त होगा तो सजा मिलेगी। हमारी ज्यादातर प्रतिबद्धताएं व्यापक न होकर संकीर्ण होती जा रही हैं जो कि राष्ट्रहित के खिलाफ हैं। राजनैतिक मतभेद भी नीतिगत न रह कर व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। जनतंत्र-गणतंत्र की प्रौढ़ता को हम पार कर रहे हैं लेकिन आम जनता को उसके अधिकार, कर्तव्य, ईमानदारी समझाने में पिछड़े, कमजोर, गैर जिम्मेदार साबित हो रहे हैं। चूंकि स्वयं समझाने वाला प्रत्येक राजनीतिक पार्टी और उसके नेता स्वयं ही कर्तव्य, ईमानदारी से अछूते व गैर-जिम्मेदार हैं। इसलिए असमानता की खाई गहराती जा रही है और असमानता की बराबरी बढ़ गई है। जबकि बराबरी के आधार पर ही समाज की उत्पत्ति हुई थी। गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेर रखा है। हमें किरणकिरण जोड़कर नया सूरज बनाना होगा। हमने जिस संपूर्ण संविधान को स्वीकार किया है, उसमें कहा गया है कि हम एक संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य हैं।

सामाजिक सौहार्दपूर्ण संस्कृति भारत की अतीत से ही इतिहास रहा है। आज जिस तरस से नागिरकता बिल के विरोध में देश जल रहा है और सरकार द्वेष को खत्म करने में नाकाम है वो भी एक प्रकार से साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ रहा है जो कि देश के संविधान के मूल भावना पर चोट है। समाजवादी मूल्यों से प्रभावित एक समतावादी समाज की कल्पना और उसे तैयार करने के हमारे संकल्प सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक तीनों स्तर पर अब तक पूर्णतः सफल नहीं रहे। सामाजिक न्याय के लिए कदम तो उठाए पर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की जरूरत को भूल कर। हमने सिर्फ और सिर्फ आरक्षण की राजनीति से सामाजिक न्याय को परिभाषित करना चाहा।

भ्रष्टाचार वह जहर है जिसने पूरी मानवता व नैतिकता को स्वाहा कर दिया है। जिस देश मे दूध की नदियां बहती थी, वहाँ आज भ्रष्टाचार की गंगोत्री बहती है। संविधान लागू होने के सात दशक बाद भी हमारे संविधान के तीन आधारभूत स्तम्भों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार का काला साया मंडरा रहा है। पूरी व्यवस्था प्रदुषित होती जा रहा है। आज आजाद हुए 7 दशक पार कर गए, अब तक हमने बहुत कुछ हासिल किया है, वहीं हमारे इन संकल्पों में बहुत कुछ आज भी आधेअधूरे सपनों की तरह हैं। भूख, गरीबी, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, सांप्रदायिक वैमनस्यता, कानूनव्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं जैसे तमाम क्षेत्र हैं जिनमें हम आज भी अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पाए हैं।

पर्यावरण प्रदूषण पृथ्वी के प्राणियों के मानवता को मंथित कर रहा हैं। यह स्थानीय ही नही बल्कि विश्व व्यापी समस्या बन कर पृथ्वी को ही नष्ट कर रही है। भारत का संविधान और कानून पर्यावरण संरक्षण की भी बात करता है,जरूरत है इस पर अमल करने का। मनुष्य और पृथ्वी को बचाने के लिए उस परम्परा की ओर लौटना होगा, जहाँ मनुष्य और प्रकृति में सामंजस हों, विरोध नहीं। जीवन दृष्टि प्रकृति के विवेकशील इस्तेमाल की हो, लूट खसोट की नही। पर्यावरण की संस्कृति पर आधारित जीवन पद्धति और जीवन दृष्टि कि ओर लौटने की जरूरत होगी।

हाल फिलहाल में एक और बड़ी समस्या उतपन्न हो चुकी है जो है - जनसंख्या विष्फोट, जिसे एक कानून के द्वारा नियंत्रण करने की जरूरत महसूस हो रही है। आज विश्व मे जनसंख्या में भारत दूसरे स्थान पर है और अगले दशक तक चीन को भी पीछे छोड़ने की होड़ में है। सभी प्रयासों से जनसंख्या के बढ़ते रक्तबीजो की वृद्धि पर रोक लगानी होगी। अन्यथा यह समस्त संसाधनों को खा कर भी तृप्त नही हो सकेगा और एक दिन स्वयं सारी मानवता को ही खा जाएगा।

सामाजिक सौहार्दपूर्ण संस्कृति भारत की अतीत से ही इतिहास रहा है। आज जिस तरस से नागिरकता बिल के विरोध में देश जल रहा है और सरकार द्वेष को खत्म करने में नाकाम है वो भी एक प्रकार से साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ रहा है जो कि देश के संविधान के मूल भावना पर चोट है। समाजवादी मूल्यों से प्रभावित एक समतावादी समाज की कल्पना और उसे तैयार करने के हमारे संकल्प सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक तीनों स्तर पर अब तक पूर्णतः सफल नहीं रहे। सामाजिक न्याय के लिए कदम तो उठाए पर सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की जरूरत को भूल कर। हमने सिर्फ और सिर्फ आरक्षण की राजनीति से सामाजिक न्याय को परिभाषित करना चाहा। नतीजतन, समाज टुकड़ेटुकड़े में विखंडित हो गया। एक कवि की पंक्ति में - आकाश का आँचल सितारा ही रहेगा, यह देश है हमारा हमारा ही रहेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मकराना से संगमरमर, मैसूरु से चट्टान : देश के अलग-अलग कोने की सामग्री से बना राम मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (भाषा)/भाषा। राजस्थान के मकराना से संगमरमर, मूर्ति के लिए मैसूरु से तीन अरब साल पुरानी चट्टान, महाराष्ट्र से पॉलिश की गई सागौन की लकड़ी-- इन सबके संगम से बना अयोध्या का भव्य राम मंदिर इसे एक राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में भी स्थापित करता है। मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत बी सोमपुरा अहमदाबाद के हैं जबकि रामलला के बाल रूप के विग्रह को मैसूर के पांचवीं पीढ़ी के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने तराशा है। प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर बालक राम को सजाए गए कपड़े दिल्ली से थे, जबकि मूर्ति के लिए आभूषण लखनऊ में तैयार किए गए हैं।

मंदिर निर्माण की देखरेख कर रहे न्यास श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों से 100 से अधिक निर्माण एजेंसियों और फर्मों ने मंदिर के निर्माण में योगदान दिया है। उन्होंने कहा, मंदिर का निर्माण देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ हुनरमंद लोगों के सामूहिक ज्ञान का परिणाम है। गंगोत्री, यमुनोत्री, कैलाश मानसरोवर, प्रयाग सहित भारत के लगभग सभी तीर्थ स्थलों से जल और पवित्र मिट्टी का मंदिर के निर्माण में उपयोग किया गया है।

राय ने बताया कि मंदिर की नींव में झाँसी, बिठूर, हल्दीघाटी, यमुनोत्री और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर समेत पूरे भारत के 2,500 से अधिक स्थानों एवं थाईलैंड के

अयुत्या शहर (जो खुद को अयोध्या से जोड़ता है) की पवित्र मिट्टी का उपयोग किया गया था। उनके अनुसार भगवान के जलाभिषेक (पवित्र स्नान) के लिए 155 देशों से जल भी भेजा गया था। महाराष्ट्र के बालारशाह और अल्लापल्ली वन क्षेत्रों से खरीदी गई सागौन की लकड़ी का उपयोग मंदिर के 44 दरवाजे बनाने के लिए किया जाएगा, जिनमें से 14 दरवाजे सोने की परत वाले होंगे।

राय ने कहा, अभिषेक अनुष्ठान के दौरान गर्भगृह में 'मंगल ध्वनि' बजाई गई, जिसमें देश भर के संगीत वाद्ययंत्र भी शामिल थे। इन वाद्ययंत्रों में उत्तर प्रदेश से पखावज, बांसुरी और ढोलक, कर्नाटक से वीणा, पंजाब से अलगोजा, महाराष्ट्र से सुंदरी, ओडिशा से मर्दला, मध्य प्रदेश से संतूर, मणिपुर से पुंग, असम से नगाड़ा और काली एवं छत्तीसगढ़ से तंबूरा शामिल थे। उन्होंने बताया कि इन वाद्य यंत्रों में दिल्ली से शहनाई, राजस्थान से रावणहत्था, पश्चिम बंगाल से श्रीखोल और सरोद, आंध्र प्रदेश से घाटम, झारखंड से सितार, गुजरात से संतर, बिहार से पखावज, उत्तराखंड से हुड़का और तमिलनाडु से नाग

स्वरम, तविल और मृदंगम भी सम्मलित थे। मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य द्वार पर स्थापित हाथियों, शेरों, भगवान हनुमान और गरुड़ की अलंकृत मूर्तियां राजस्थान के बंसी पहाड़पुर से लाए गए बलुआ पत्थर से बनाई गई हैं। राय ने बताया कि मूर्ति के लिए आभूषण अध्यात्म रामायण, वाल्मीकि रामायण, रामचरितमानस और अलवंदर स्तोत्रम जैसे ग्रंथों के गहन शोध और अध्ययन के बाद तैयार किए गए हैं। उनके मुताबिक रामलला की मूर्ति को बनारसी कपड़े से सजाया गया है, जिसमें एक पीली धोती और एक लाल 'पताका' या 'अंगवस्त्रम' है। उनका कहना था कि 'अंगवस्त्रम' को शुद्ध सोने की 'जरी' और धागों से सजाया गया है।

मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा तराशी गई 51 इंच की मूर्ति को तीन अरब साल पुरानी चट्टान से बनाया गया है। नीले रंग की कृष्ण शिला की खुदाई मैसूरु के एचडी कोटे तालुका में जयापुरा होबली में गुज्जेगौदानपुरा से की गई थी। यह एक महीन से मध्यम दाने वाली, आसमानी-नीली मेटामॉर्फिक चट्टान है, जिसे आम तौर पर इसकी चिकनी सतह की बनावट के कारण सोपस्टोन कहा जाता है। यह मूर्तियां बनाने के लिए आदर्श मानी जाती है।

यह कृष्ण शिला रामदास (78) की कृषि भूमि को समतल करते वक्त मिली थी और पत्थर की गुणवत्ता का आकलन करने वाले एक स्थानीय ठेकेदार ने अपने संपर्कों के माध्यम से अयोध्या में मंदिर के ट्रस्टियों का ध्यान आकर्षित किया।

ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार अभिषेक समारोह के लिए भव्य संरचना को सजाने के लिए 20 से अधिक किस्मों के 3,000 किलोग्राम से अधिक फूलों का उपयोग किया गया था। इन फूलों में गुलदाउदी, जरबेरा, ऑर्किड और एंथुरियम और लिलियम जैसे विदेशी फूल शामिल हैं। ये पुष्प चेन्नई, बेंगलूरु, पुणे, लखनऊ और दिल्ली से लाए गए थे। यहां तक कि भगवान को चढ़ाए जाने वाले भोग में मंदिर द्वारा तैयार किए गए प्रसाद के अलावा, महाकाल, उज्जैन, मेहंदीपुर बालाजी, दौसा, बांके बिहारी मंदिर, मथुरा जैसे स्थानों से विशेष 'प्रसाद' भी शामिल थे।

न्याय यात्रा

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को असम के बोंगाईगांव जिले में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में लोगों ले मिलते हुए।

श्रद्धांजलि

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को जनता दल यूनाइटेड द्वारा पटना के वेटरनरी ग्राउंड में आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्म शताब्दी समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए।

रामंदिर पर पश्चिमी मीडिया की कवरेज पक्षपातपूर्ण : अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया में विहिप ने कहा

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की शाखाओं ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के ''पक्षपातपूर्ण'' कवरेज को लेकर अपने-अपने देशों में पश्चिमी मीडिया और मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों की मंगलवार को आलोचना की और उन समाचार लेखों को तुरंत हटाने की मांग की।

विहिप ने द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, विहिप की अमेरिका शाखा मांग करती है कि 'एबीसी, बीबीसी, सीएनएन, एमएसएनबीसी' और 'अल जजीरा' अपनी वेबसाइट से समाचार लेखों को तत्काल हटाएं। इसके अलावा हम झूठी सूचना के प्रसार के कारण हिंदू समुदाय को हुई परेशानी के लिए उनसे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने का आह्वान करते हैं। विहिप अमेरिका ने कहा, हम इन समाचार मंचों से आग्रह करते हैं कि वे ऐतिहासिक संदर्भ और राम मंदिर के निर्माण का समर्थन करने वाले भारतीय उच्चतम न्यायालय के फैसले जैसे सभी प्रासंगिक तथ्यों को शामिल करने के बाद ही लेखों को दोबारा प्रकाशित करें।

संगठन ने यह भी कहा कि पक्षपातपूर्ण कवरेज के जरिये झूठी कहानियों के कारण न केवल असामाजिक भावनाओं को बढ़ावा मिलता है, बल्कि शांतिप्रिय, मेहनती और योगदान देने वाले हिंदू अमेरिकी समुदाय के लिए भी खतरा पैदा होता है। उसने कहा कि इस तरह का कार्य गैर-जिम्मेदाराना पत्रकारिता के समान हैं, जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसी तरह के बयान विहिप कनाडा और विहिप ऑस्ट्रेलिया की ओर से भी जारी किए गए। विहिप कनाडा ने कहा, दुनिया भर में हिंदू समुदाय एक शांतिप्रिय, प्रगतिशील और समावेशी समुदाय है जो वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों में विश्वास रखता है।

फ्रांस में किसानों ने देश भर में सड़कें अवरुद्ध कीं

पेरिस/एपी

फ्रांस के किसानों ने निम्न भत्तों, अत्यधिक नियमन, बढ़ती लागत और अन्य समस्याओं को लेकर बुधवार को देश भर में और ब्रसेल्स में विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों की ओर से लगाए गए एक अवरोधक में एक वाहन की टक्कर से एक किसान और उसकी बेटी की मौत के बाद अनेक क्षेत्रों में सड़कें अवरुद्ध की गईं। किसानों का आरोप है कि कृषि संबंधी नीतियां बेतुकी हैं। विरोध स्वरूप उन्होंने सड़कों पर लगे दिशा सूचक बोर्ड की दिशा भी बदल दी है।

कुछ किसान यूरोपीय संघ के मुख्यालय ब्रसेल्स में भी विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं और वहां फ्रांस के किसानों के संघ 'रूरल कॉर्डिनेशन'' ने प्रदर्शन का आह्वान किया है।

इन प्रदर्शनों को नवनियुक्त प्रधानमंत्री ग्रेब्रिएल अत्तल के लिए पहली प्रमुख चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। अत्तल ने मंगलवार को किसान संघों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी।

इस बैठक के बाद कृषि मंत्री मार्क फेसनेऊ ने संकट के समाधान के लिए सप्ताह के अंत तक नए प्रस्ताव पेश करने का वादा किया।

देश के प्रमुख किसान संघ एफएनएसईए के प्रमुख आर्नाउद रूसो ने कहा कि उनका संगठन बुधवार को 40 जरूरी उपायों की एक सूची जारी करेगा।

अयोध्या में 3.5 टन वजनी जटायु की मूर्ति के लिए किया गया व्यापक शोध : मूर्तिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में कुबेर टीले के ऊपर स्थापित पौराणिक पक्षी जटायु की 3.5 टन की मूर्ति को बनाने में तीन महीने लगे। इसके लिए दो महीने तक व्यापक शोध किया गया। प्रसिद्ध कलाकार राम सुतार द्वारा बनाई गई यह मूर्ति राम मंदिर परिसर में एक टीले पर आठ फीट के आधार पर भव्य रूप से स्थापित है। सुतार के बेटे अनिल सुतार ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह 20 फुट ऊंची है और इसकी लंबाई आठ फुट और चौड़ाई आठ फुट है। इसका वजन 3.5 टन है। यह बहुत खुशी की बात है कि इसे अब अयोध्या में जगह मिल गई है।

मूर्तिकार पिता-पुत्र की जोड़ी 22 जनवरी को राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुई थी।

राम सुतार अगली फरवरी में 99 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' सहित भारत की कुछ सबसे प्रतिष्ठित मूर्तियां बनाई हैं। अनिल सुतार ने कहा कि उन्होंने नोएडा में अपने स्टूडियो में रामायण के यादगार पात्र जटायु की मूर्ति बनाने में अपने पिता की सहायता की थी तथा वहां से इसे एक ट्रक में अयोध्या लाया गया। उन्होंने बताया, यह 85 प्रतिशत तांबा, पांच प्रतिशत टिन, इतने ही प्रतिशत जस्ता और सीसा के साथ मिश्रित धातु से बनाई गई है।

रामायण के मुताबिक जटायु को रावण ने तब मार डाला था जब वह देवी सीता को बचाने की कोशिश कर रहा था।

अनिल ने कहा कि प्रतिमा के लिए व्यापक शोध के तहत ग्रंथों में पक्षी का संदर्भ खोजने में दो महीने लगे। उन्होंने कहा, हमने गिद्ध की शारीरिक रचना का अध्ययन किया और पहले छोटे मॉडल तैयार किए और आखिरकार पिछले महीने इस काम को अंजाम दिया। अनिल ने कहा कि अयोध्या भेजे जाने से पहले मूर्तिकला के विभिन्न टुकड़ों को एक साथ वेल्ड किया गया था।

श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने 26 दिसंबर को पत्रकारों को बताया था कि अयोध्या में राम मंदिर परिसर में कुबेर टीला पर जटायु की मूर्ति स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के अनुष्ठानों में भाग लेने के बाद कुबेर टीले का दौरा किया और वहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। मोदी ने कहा कि जटायु का कर्तव्य भाव ही समर्थ और दिव्य भारत का आधार है।

चीन ने ताइवान से संबंध तोड़े जाने के बाद नाउरू के साथ राजनयिक संबंध बहाल किए

बीजिंग/एपी

नाउरू के ताइवान के साथ अपने संबंध खत्म किए जाने के बाद चीन ने इस प्रशांत द्वीपीय देश के साथ अपने राजनयिक संबंध बुधवार को औपचारिक रूप से बहाल कर लिए हैं।

चीन का यह कदम ताइपे की लोकतांत्रिक सरकार को अलग-थलग करने का प्रयास है।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने नाउरू के विदेश और व्यापार मंत्री लियोनेल एंजीमिया से बीजिंग में मुलाकात की। वांग ने कहा कि संबंधों को बहाल करना ''दुनिया को एक बार फिर दिखाता है कि एक-चीन सिद्धांत का पालन एक अनूठी ऐतिहासिक प्रवृत्ति है।

एंजीमिया के अनुसार, नाउरू इस तथ्य के बावजूद ताइवान को चीन का हिस्सा मानता है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ने कभी इस द्वीप पर शासन नहीं किया और ताइवान के 2.3 करोड़ लोगों ने बीजिंग के दावों को नकार दिया है।

'बड़े मियां छोटे मियां' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का टीजर रिलीज हो गया है। 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की मुख्य भूमिका हैं।टीज़र की शुरुआत एक अलग भाषा के साथ होती है, जिसका अर्थ है कि खतरनाक प्रलय आने वाला है, जिसके बाद फिल्म के विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन की एंटी होती है।देश के दो जवान अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एंट्री धमाकेदार एक्शन के साथ होती है। टाइगर श्राफ कहते हैं दिल से सोल्जर और दिमाग से शैतान हैं हम। इसके बाद अक्षय कुमार कहते हैं कि बचके रहना हमसे हिंदुस्तान हैं हम। बड़े मियां छोटे मियां को वासु भगनानी और जैकी भगनानी के प्रोडक्शन हाउस पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया जा रहा है।बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर और अलाया एफ शामिल हैं। बड़े मियां छोटे मियां ईद के मौके पर इस वर्ष रिलीज की जाएगी।

'सईया जी की जय हो' में नजर आएंगे विक्रांत सिंह

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत फिल्म सईया जी की जय हो में काम करते नजर आयेंगे फिल्म सईया जी की जय हो की शूटिंग इन दिनों प्रयाग राज में चल रही है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें विक्रांत सिंह राजपूत के साथ चांदनी सिंह, जोया खान, प्रीति मौर्या भी नज़र आने वाली हैं। फिल्म सईया जी की जय हो को लेकर विक्रांत सिंह राजपूत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की कहानी ने मुझे इस फिल्म को करने के लिए प्रेरित किया। फिल्म बेहद ख़ास है और इसकी मेकिंग भी बड़े लेवल पर गंगा यमुना सरस्वती के संगम तट प्रयाग राज में किया जा रहा है।

फिल्म की पूरी टीम बेहद इंटरटेनिंग है। फिल्म का हर किरदार दर्शकों का मन मोह लेगा।उन सबके बीच मेरी भी भूमिका दर्शकों के मन मस्तिष्क पर गहरी छाप छोड़ेगी।इसलिए मेरा आग्रह होगा कि हमारी फिल्म सईया जी की जय हो जब भी रिलीज हो, आप सभी इसे जरूर देखें।

जल्द शुरू होगी स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म 'वॉर-2'

मुंबई/एजेन्सी

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली कड़ी वर्ष 2019 में सिद्धार्थ आनन्द के निर्देशन में बनी वॉर का अगला भाग वॉर-2 है, जो 2025 स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रदर्शित होने के लिए घोषित है। नवम्बर 2023 में प्रदर्शित हुई स्पाई यूनिवर्स की टाइगर-3 के अन्त में वॉर-2 का टीजर दिखाया गया था, जिसे देखने के बाद दर्शकों में इस फिल्म के प्रति रुचि जगी है। ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर की स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर 2' का दर्शकों का बेसब्री से इंतजार है। बहुप्रतीक्षित सीक्वल पर चर्चा करते हुए, एक्टर आशुतोष राणा, जो 'वॉर' और शाहरुख खान की 'पठान' में कर्नल लूथरा के रूप में भी दिखाई दिए, ने फिल्म के बारे में खुलकर बात की है।

आशुतोष राणा ने न्यूज एजेंसी को बताया, 'हम जल्द ही इसे शुरू करने जा रहे हैं, मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से सभी ने वॉर और पठान को पसंद किया है, 'वॉर 2' भी पसंद आएगी। यह एक स्पाई यूनिवर्स है और इसमें मिशन अपने आप में रोमांचकारी हैं, इसलिए दर्शक निश्चित रूप से इसका आनंद लेंगे।'

वॉर-2 के निर्देशन की जिम्मेदारी इस बार आदित्य चोपड़ा ने अयान मुखर्जी को सौंपी है। जबकि वॉर का निर्देशन सिद्धार्थ आनन्द ने किया था। 'वॉर 2' स्वतंत्रता दिवस 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में, यशराज फिल्म्स ने सलमान खान-कैटरीना कैफ स्टारर फिल्म 'टाइगर 3' के एक पोस्ट-क्रेडिट सीन में ऋतिक के केरेक्टर को प्रेजेंट किया, जिससे आगामी सीक्वल को लेकर फैंस का एक्साइटमेंट लेवल हाई हो गया है। यह फिल्म 2019 की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर मुख्य भूमिका में थे। सिद्धार्थ आनंद की निर्देशित, इस हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा ने 2019 में रिलीज होने के सात दिनों के भीतर 200 करोड़ रुपये की कमाई की। इसे उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक माना जाता है।

फरवरी को रिलीज होगी फिल्म 'जया'

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और बॉलीवुड अभिनेता दया शंकर पांडे के अभिनय से सजी फिल्म जया 09 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के एमडी और फिल्मकार रत्नाकर कुमार ने कहा ,फिल्म जया 09 फरवरी को पूरे भारत मे एक साथ रिलीज की जा रही है। यह फिल्म समाज के लिहाज से महत्वपूर्ण है। मैं दर्शकों से अपील करूंगा की वे इसे देखने सिनेमाघरों में जरूर आये क्योंकि जया एक ऐसी कहानी है।

जो समाज में आज भी हो रहे भेद भाव पर व्यंग करती है। वही इसमें महिला सशक्तिकरण को भी बहुत सुंदर तरीके से माही श्रीवास्तव ने पेश किया है। इसकी कहानी बाकई आम फिल्मों से हट के है।

माही श्रीवास्तव ने कहा कि मेरी फिल्म जया 09 फरवरी को सिनेमाघरों में आने को तैयार है. फ़िल्म में आपको एक बिन ब्याही के संघर्ष की कहानी देखने को मिलेगी। जो आपको हर तरह हिलाकर रख देगी। फिल्म में आपको एक्शन, ड्रामा और रोमांस भी देखने को मिलेगा।

वही जया में आपको एक कॉलेज गर्ल से लेकर श्मशान में काम करने वाली महिला की कहानी देखने को मिलेगी। दया शंकर पांडे ने दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में आ कर देखने की अपील की है। उन्होंने कहा यदि अच्छी फिल्मों को दर्शकों सपोर्ट मिलता है, तो जम जैसे कलाकारों को और भी अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलती है।

वर्ल्डवाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत फ़िल्म जया के निर्माता रत्नाकर कुमार और को प्रोड्यूसर निवेदिता कुमार हैं, वही निर्देशन धीरू यादव ने किया है।फिल्म के लेखक धर्मेंद्र सिंह हैं। फिल्म जया में माही श्रीवास्तव, दया शंकर पांडे, सुकेश आनंद, मनु कृष्णा, महेश आचार्य, धर्मेंद्र सिंह, राव रणविजय, ओमी कश्यप, रंभा साहनी, सोनाली मिश्रा, जुबेर शाह, योगेश पांडे, सोनू कुमार, निरंजन चौबे, अनामिका राय, नीरज कुमार सिंह, अनिता तिवारी, राम बिलास सिंह, सरिता सिंह, उत्पल सिंह,

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महिला मंडल, हनुमंतनगर की साधारणसभा आयोजित की गई। प्रीति देवड़ा एवं मीना बाफना के मंगलाचरण के पश्चात अध्यक्ष मंजू बालिया ने सबका स्वागत किया व गत कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

व्हाइटफील्ड में सुन्दरकांड का सामूहिक पाठ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में बने प्रभु श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा के मौके पर भारतीय राजपूतना सेवा संगठन के अध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में व्हाइटफील्ड में सामूहिक सुन्दर कांड का पाठ एवं भजन व दीपोत्सव का आयोजन किया गया। प्रभुश्री राम की विशेष पूजा सुनील सिंह, रिंकी सिंह द्वारा की गई। अध्यक्ष सुनील कुमार ने उपस्थित सम्मानित लोगों को सम्मानित किया। पंडित माधव शास्त्री के द्वारा सुन्दरकांड पाठ व भजनों का कार्यक्रमहुआ जिसमें उपस्थित सभी झूम उठे। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का अंग वस्त्र भेंटकर सम्मान किया जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधांशु सिंह, राष्ट्रीय मातृशक्ति अध्यक्ष ममता सिंह शामिल थे। इसमें वीरेंद्र सिंह, प्रेम सिंह ने श्री अयोध्यापति महाराज के बारे में कई रोचक बातें बताई।

कार्यक्रम को बेहतर बनाने में सहयोगी परमेश्वर सिंह, संजय सिंह, गोपाल सिंह, बेल्लांदु सिंह, मातशक्ति, सुनीता सिंह, रोहिणी सिंह, सुभाषिनी सिंह, सिमा सिंह का स्वागत किया गया।

भिक्षु भक्ति धम्म जागरण का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पौष सुदी तेरस मंगलवार को भिक्षु भक्ति संध्या का आयोजन महाश्रमण सुर संगम द्वारा चामरजपेट स्थित जसवंतराज डॉ रवींद्र नमन समधड़िया के निवास स्थान पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। महाश्रमण सुर संगम से सह प्रभारी सुरेश कोठारी, परामर्शक विक्रम पुगलिया, तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया और परिवार की ओर से नमन ने अपनी प्रस्तुति से पूरे माहौल को भिक्षुमय बना दिया। तेयुप एचबीएसटी मंत्री राजीव हिरावत ने परिषद् के इस उपक्रम 'हर घर भिक्षु स्वर' के बारे में जानकारी दी और बताया कि इसका लाभ परिषद परिवार के हर घर तक पहुँचाना है।

अहंकार को अपने ऊपर हावी न होने दें : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सकलेशपुर। यहां हासन जिले के सकलेशपुर के श्री कुंथुनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरजी म. सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में बताया कि जीवन में अपने अहंकार को अपने ऊपर हावी मत होने दो। हमेशा अपने स्वभाव में विनम्रता और मिठास लाना चाहिए।

अहंकार के कारण जीवन में नुकसान ही होता है। व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि लोग बार बार आप से मिलने को लालायित रहे। आपके व्यवहार व स्वभाव से प्रभावित होकर लोग आपकी मदद करने को आतुर रहें। आचार्यश्री ने कहा कि याद रखना सभी के दिल के करीब वही लोग पहुंचते हैं जो बदला लेने के लिए नहीं बल्कि अच्छा बदलाव लाने की सोच रखते हुए कार्य करते हैं।

आचार्यश्री, मुनिश्री मेरु पद्मसागरजी और मुनिश्री अर्हपद्मसागरजी म. सा. हासन की ओर विहाररत हैं।

हनुमंतनगर महिला मण्डल की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महिला मंडल, हनुमंतनगर की साधारणसभा आयोजित की गई। प्रीति देवड़ा एवं मीना बाफना के मंगलाचरण के पश्चात अध्यक्ष मंजू बालिया ने सबका स्वागत किया व गत कार्यकाल में सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मंत्री संगीता धोका ने गत कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रभा गुलेच्छा, चंचल गोटावत, माला बोहरा, इन्द्रा लोढा, पिंकी मूथा, मधु गुलेच्छा, किरण संचेती ने कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों की विविधता पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभव साझा किए।

जनवरी 2024 से दिसंबर 2026 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया। सर्वसम्मति से मंजू बालिया को अध्यक्ष के रूप में चुना गया एवं मंत्री के रूप में संगीता धोका का चयन हुआ। सभी ने स्वागत किया। सलाहकार प्रभा गुलेच्छा ने अन्य पदाधिकारियों की घोषणा की। माला बोहरा, प्रभा गोलेछा व प्रमिला मेहता को सलाहकार, उपाध्यक्ष के रूप में मंजू बूरड, कोषाध्यक्ष के रूप में इन्दु बोहरा, सह मंत्री के रूप में चंचल गोटावत, मधु गुलेच्छा एवं उषा हुण्डिया को बनाया गया। इसी के साथ नए कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा मंजू बालिया ने की। पूर्ण कार्यक्रम का संचालन सलाहकार प्रमिला मेहता ने किया।

माला बोहरा ने सदस्यों से बच्चों को गुरूकुल भेजने व अपनी सेवाएं देने की अपील की। कार्यक्रम में हनुमंतनगर संघ द्वारा सूर्यास्त से पूर्व भोजन की व्यवस्था रखी गई। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में दासपा कल्याण मण्डप गवीपुरम में 26 जनवरी को सुबह श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, युवक मण्डल एवम महिला मण्डल के तत्वावधान में लायंस क्लब सिटी आनंद के सहयोग से मानव सेवा के तहत निशुल्क नेत्र परीक्षण एवम चिकित्सा, दंत जांच एवं चिकित्सा, मधुमेह जांच एवम रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें संघ सदस्य परिवार के साथ ही आम जनता भी लाभ ले सकती है।

'अनमोल रिश्ता सास बहू का' पर कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा 24 जनवरी को स्थानीय तेरापंथ भवन में रिलेशनशिप स्किल के अंतर्गत 'अनमोल रिश्ता सास बहू का' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ किया गया तत्पश्चात मंडल की सदस्यों द्वारा बहुत ही सुंदर गीतिका की प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए विषय प्रस्तुति देते हुए बताया कि किस प्रकार सास और बहू की बीच बॉन्डिंग बनाकर परिवार में खुशियां बरकरार रखी जा सकती है। निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली ने अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए कहा कि परिवार में सबसे अनमोल, सबसे नाजुक और सबसे मजबूत रिश्ता होता है सास बहू का। मंडल की सदस्या विपुला गोखरू एवं मधु बाबेल ने बहुत ही सुंदर नाटिका प्रस्तुत करते हुए वर्तमान परिवेश में सास बहू किस प्रकार बॉन्डिंग बनाकर परिवार में खुशियां ला सकती है उसे दर्शाया।

कार्यक्रम के अगले चरण में खुला मंच के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। जिसमें कई सास बहू के जोड़ों ने सहभागिता निभाई। इसमें सास बहू की बेस्ट जोड़ी का पुरस्कार प्राप्त किया सुमन कोठारी एवं कोमल कोठारी ने।

बेस्ट सास वनिता कोचर एवं बेस्ट बहू प्रियंका गादिया एवं हर्षा बोलिया को चुना गया। सभी विजेताओं को मंडल की ओर से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्याएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन नीतिका श्री श्रीमाल एवं आभार ज्ञापन सरिता छाजेड़ ने किया। कार्यक्रम में संरक्षिका इचू बाई पटावारी का विशेष योगदान रहा।

गौड़ ब्राह्मण संघ द्वारा हनुमान चालीसा पाठ व राशन चावल का वितरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में प्रभुश्री राम ललाजी के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर गौड़ ब्राह्मण संघ बेंगलूरु द्वारा केंगेरी के मालसान्द्रा में स्थित कपिश्वरा श्रीराम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ, पूजा, हवन और अन्नदान किया गया। इसमें समाज के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा के साथ भागीदारी की। विशेष रूप से महिला मंडल, युवा टीम के पूर्ण सहयोग से कार्यक्रम हुआ। सर्वप्रथम भगवान परशुरामजी व रामदरबार की पूजन संघ के वरिष्ठ सदस्य जगदीशचन्द्र, दिनेश, मुकेश, संदीप ने की, द्वीप प्रज्वलन किया गया। जरूरतमंद परिवारों को राशन के चावल एवं दीपों का वितरण किया गया। संचालन संघ के सचिव अनिल शर्मा ने किया। संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया ने मंदिर के पुजारियों व आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी ने जयश्रीराम का उद्घोष किया।

महापुरुष हमारे आलंबन व प्रेरणा स्रोत होते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में आचार्य हस्ती जयंती एवं मरुधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज साहब के पुण्य स्मृति दिवस पर प्रवचन में गुणानुवाद करते हुए विनयमुनि जी महाराज साहब ने कहा कि महापुरुष हमारे आलंबन व प्रेरणा स्रोत होते हैं। उनकी साधना जीवंत ग्रंथ होते हैं। वे प्रभु की वाणी से समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनके रोम रोम में समाज के हित की भावना होती हैं।

राष्ट्र में राममय वातावरण पर विनयमुनि जी ने कहा कि राम ने लंका जीत कर भी हड़पने की भावना नहीं रखी और विभीषण को लंकापुरी सौंप दी। वही परंपरा आज भी भारत पालन कर रहा है और आज तक हमने दूसरे राष्ट्र की जमीन नही हड़पी हैं क्योंकि द्वेष भावना से धन, वंश और राज नष्ट हो जाते हैं।

अलसूर संघ की ओर से गुणानुवाद करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आचार्यश्री हस्तीमलजी म. सा. ने जैन धर्म का मौलिक इतिहास लिख कर अभूतपूर्व कार्य किया है और मरुधर केसरी जी ने हमेशा सभी को सभी संत सती की बिना किसी भेदभाव के सेवा की अनुकरणीय प्रेरणा दी थी। इस अवसर पर अलसूर महिला मंडल ने गुरु प्रसादी का वितरण किया और संघ अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने प्रभावना का लाभ लिया। विनयमुनिजी का गुरुवार का प्रवास कृष्णराजपुरम में रहेगा जहां प्रवचन एवं जाप आयोजित हैं।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर श्री माँ जीण के दीवाने ग्रुप के तत्वावधान में गत सोमवार को बेंगलूरु के तुलसीतोट्टा के पीटी ग्राउन्ड स्थित हनुमान मंदिर पर अन्नदान का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया सभी को लड्डू का भी वितरण किया गया। इस मौके पर नंदकिशोर चौधरी, नवरंगलाल सुलतानिया, ओमप्रकाश मित्तल, राजकुमार अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, शंभुलाल अग्रवाल सहित अनेक महिला सदस्यों ने सेवा कार्य में भाग लिया।

मुनि दीप कुमार आज करेंगे तमिलनाडु राज्य सीमा में मंगल प्रवेश

बेंगलूरु/चित्तूर/दक्षिण भारत। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के आदेशानुसार मुनि श्री दीप कुमार जी अपने सहवर्ती संत मुनि श्री काव्य कुमार जी के साथ बेंगलूरु के विजयनगर क्षेत्र में सफलतम चातुर्मास के पश्चात होसकोटे के रास्ते केजीएफ में 23 दिन के प्रवास के पश्चात कल 25 जनवरी को तमिलनाडु राज्य की सीमा भारती नगर देवराजापुरम क्षेत्र में प्रवेश करेगें। मुनि श्री का आगामी विहार बानमवाड़ी होते हुए गुडियात्तम क्षेत्र पधारेंगे। मुनि श्री का आगामी मर्यादा महोत्सव का कार्यक्रम 16 फरवरी को गुडियात्तम में होगा।

सांसद व विधायक ने बांटे लड्डू, रामलला मन्दिर की खुशियां मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन बेंगलूरु और जैन डेवलपमेंट फोरम द्वारा अयोध्या में प्रभु राम मन्दिर प्रतिष्ठा की खुशियां मनाई गई। अध्यक्ष बाबूभाई मेहता और महामंत्री प्रशांत सिंघी ने मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा की सभी को बधाईयां देकर सभी का मुंह मीठा करवाते हुए लड्डू वितरण किए। जैन डेवलपमेंट फोरम के महामंत्री ललित डाकलिया ने शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की प्रतिष्ठा हमें अपने मन्दिर में भी करनी है और जैसा कि प्रधानमंत्रीजी ने आव्हान किया है कि हमें प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र से सीख लेनी है और उनकी माता पिता की आज्ञा पालन, त्याग, तपस्या, धर्मनिष्ठता के साथ उनके मानवीय गुणों को आत्मसात करना है और राम राज्य लाने हेतु हमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी ओर से सेवा भावना रखते हुए हमें अपना योगदान प्रदान करना है।

लड्डू वितरण कार्यक्रम में बेंगलूरु दक्षिण के लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या, विधायक रवि सुब्रमण्यम उपस्थित रहे और उन्होंने अपने हाथों से अनेक जगहों पर राम भक्तों को लड्डु खिलाकर प्रसन्नता व्यक्त की और शुभकामनाएं प्रदान की। लड्डु वितरण से पहले तेजस्वी सूर्या और रवि सुब्रमण्यम के साथ फेडरेशन और फोरम के सदस्यों ने सीता, राम और लक्ष्मण की पूजा अर्चना, अभिषेक और आरती भी की। इस अवसर पर बाबूभाई मेहता ललित डाकलिया, डॉ वासुदेव सारडा, विशाल बोहरा, अनिकेत जैन, कविता जैन, सुशील जैन, ललित धारीवाल, सुनील लोढ़ा, दिनेश पोडवाल, रवि जैन आदि सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र प्रवासी संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बुधवार को पाली संभाग के इंस्पेक्टर जनरल पुलिस आईपीएस अधिकारी राघवेंद्र जी सुहाषा से मुलाकात कर उनका शॉल ओढाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान अध्यक्ष सेमलानी ने पाली संभाग इंस्पेक्टर जनरल पुलिस सुहाषा को अपने आदर्श गांव बिठुडा पिरान आने का न्यौता दिया। इस मौके पर संघ के दीपक अग्रवाल मौजूद रहे।

पत्रकारों से मिलने साइकिल रिक्शे से आने में भी संकोच नहीं करते थे कर्पूरी ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। बिहार जैसे संवेदनशील राज्य के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर से मिलना मेरे और उनसे मुलाकात चाहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए लिए हमेशा आसान था। उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के लिए चुना गया है, यह मेरे लिए और यहां तक कि उनके प्रशंसकों के लिए भी थोड़ा हैरान करने वाला है।

'जन नायक' कर्पूरी ठाकुर का नाम मरणोपरांत 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने वाले महापुरुषों की सूची में शामिल हो गया है जिनमें लालबहादुर शास्त्री, पंडित मदनमोहन मालवीय, लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई और लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे नाम हैं। स्कूली छात्र के रूप में मैंने उन्हें बिहार की राजधानी के कदम कुआं स्थित जगत नारायण

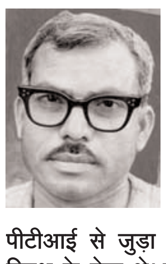

लाल मार्ग पर जयप्रकाश नारायण के विशालकाय आवास पर कई बार देखा था। जब मैं 1986 में पीटीआई से जुड़ा था तो ठाकुर विपक्ष के नेता थे। वह 1970 के दशक में दो बार बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके थे, लेकिन उन्हें समाचार संस्थानों, विशेषकर पीटीआई के कार्यालय तक आने के लिए साइकिल-रिक्शा लेने में कोई हिचक नहीं होती थी।

मिलनसार और उत्साही ब्यूरो प्रमुख एसके घोष, जिन्हें प्यार से मंटू दा कहा जाता था, ठाकुर के मित्र थे। जब मैंने समाजवादी विचारधारा के सबसे मुखर नेताओं में से एक ठाकुर को पहली बार साइकिल रिक्शा पर हमारे कार्यालय में आते देखा था, उस समय मंटू दा इस दुनिया में नहीं थे। उस समय एसडी नारायण ब्यूरो प्रमुख थे।

ठाकुर अकेले और चुपचाप अपने रबर-सोल वाले सैंडल पहनकर समाचार कक्ष में आते थे। वह बड़ी सहजता से उस रिक्लाइनर पर बैठते थे जिसे मंटू दा ने अपने लिए मंगाया था।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com